www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार : 6 जुलाई 2026
वर्ष: 17
अंक: 68 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

# जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

## जम्मू-कश्मीर की किताब में आतंकी हाफिज को बताया महान

- एफआईआर दर्ज, 8 अफसर सस्पेंड; भाजपा बोली-ये एकेडमिक जिहाद, बुक बैन करें

**श्रीनगर (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरी के लिए खरीदी गई दो किताबों को लेकर यूएपीए के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इन किताबों में मुंबई हमलों के मास्टर माइंड आतंकी हाफिज सईद और अलगाव वादी नेता मकबूल भट को महान हस्तियां बताया गया है। पुलिस की काउंटर इंटेलीजेंस विंग ने शनिवार एफआईआर दर्ज करके छापेमारी शुरू कर दी है। विवादित किताबों में से एक हिलाल अहमद और संतोष मीना की 'पर्सनैलिटीज एंड लीजेंड्स ऑफ जेके' है। इसे जम्मू की ओबेरॉय बुक सर्विस ने प्रकाशित किया है। दूसरी किताब सुशांत गिरी की 'ग्रेट पर्सनैलिटी ऑफ जम्मू-कश्मीर' है। इसे दिल्ली के अनुराग प्रकाशन ने पब्लिश किया है। अधिकारियों के मुताबिक, एक किताब की 123 प्रतियां जम्मू, रामबन और उधमपुर जिलों में भेजी गई थीं, जबकि दूसरी किताब की 128 प्रतियां जम्मू और बारामूला जिलों में बांटी गई थीं।

## जिसने हमारे इमाम को मारा, वो जिंदा क्यों है

- खामेनेई के अंतिम संस्कार में ट्रंप के खिलाफ लगे भड़काऊ नारे

**तेहरान (एजेंसी)।** ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का अंतिम संस्कार कार्यक्रम चल रहा है। इस शोक कार्यक्रम को लेकर ईरान की राजधानी तेहरान में लाखों लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है। इन भारी भीड़ के बीच एक कलाकार ने ट्रंप का नाम लिए बिना

उनके हत्या की मांग की। रविवार को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में एक कलाकार ने अपने इमाम की हत्या करने वाले व्यक्ति की 'मौत' की मांग की, जिस पर तेहरान में एकत्रित सैकड़ों हजारों शोक संतप्त लोगों ने जोरदार तालियां बजाई।

अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या की मांग करने वाले बैनर, पोस्टर और भित्तिचित्र भी प्रदर्शित किए गए थे। इस दौरान वहां मौजूद लाखों लोगों की भीड़ ने अमेरिका और इजरायल मुर्दाबाद के नारे लगाए।

## हमें सुरक्षा दो, दोषी पुलिस अफसरों की गिरफ्तारी हो

- बिहार में भरत तिवारी की मां की भूख हड़ताल जारी

पटना (एजेंसी)। बिहार के भोजपुर में भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में परिवार के सदस्यों ने अपनी कुछ मांगें रखी हैं। परिवार का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती, भरत तिवारी की मां आशा देवी की भूख हड़ताल जारी रहेगी। भरत तिवारी के परिवार का कहना है कि इस घटना में शामिल दोषी पुलिसकर्मियों और अफसरों को गिरफ्तार किया जाए। बिहार के

भोजपुर जिले में पिछले महीने हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर राज्य का राजनीतिक माहौल बेहद गर्म है। भरत तिवारी के परिजनों और समर्थकों ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उनकी हत्या की है जबकि पुलिस ने कहा है कि उसने आत्मरक्षा में गोली चलाई थी। तिवारी के परिवार की एक सदस्य ने पत्रकारों से कहा, मेरे परिवार की सुरक्षा जल्द से जल्द सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि इस मामले से संबंधित कोई अधिकारी जांच के लिए आ रहा है, तो उसे मुझे सूचित करना चाहिए, ताकि जांच में सहयोग किया जा सके। मेरे गांव के लोगों के खिलाफ पुलिस द्वारा दर्ज किया गया।

# शोपियां में 3 घंटे चला एनकाउंटर, 2 आतंकी ढेर

**शोपियां (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के शोपियां के सैदपोरा इलाके में शनिवार शाम से चल रही मुठभेड़ में लश्कर के 2 आतंकियों के मारे जाने की खबर है। सुरक्षाबलों ने इसकी पुष्टि नहीं की है। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मारे गए दोनों आतंकी लश्कर-ए-तैयबा के टॉप ऑपरेटिव थे। एक आतंकी जाकिर अहमद गनी उन 14 आतंकियों की लिस्ट में शामिल था, जिसे पहलगाम हमले के बाद खुफिया एजेंसियों ने जारी किया था। दूसरा आतंकी जाकिर का साथी लतीफ भट है। सुरक्षाबलों को शोपियां के सैदपोरा पायीन के पास छानपोरा इलाके में आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। घेराबंदी के दौरान जब जवान आतंकियों के ठिकाने के करीब पहुंचे तो उन्होंने फायरिंग कर दी। मुठभेड़ 4 जुलाई की शाम 7.45 बजे शुरू हुई थी। अंधेरे के कारण एनकाउंटर और सर्च ऑपरेशन रात में रोक दिया गया था। अभी तक आतंकियों के शव भी बरामद नहीं हुए हैं।

### एक पहलगाम हमले के बाद बनी हिट लिस्ट में शामिल था

### आतंकी दिखे तो गांव खाली कराए

यह ऑपरेशन शुक्रवार दोपहर को शुरू किया गया था, जब सात गांव वाले मीमंदर इलाके के एक बाग में लगे सेना के कैमरे में ये दो आतंकी दिखाई दिए। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की कई टुकड़ियों की टीम ने इलाके की घेराबंदी की और शाम तक 4 गांव खाली करा लिए। सेना की खास एंटी टेरेरिज्म यूनिट, 'विक्टर फोर्स' ने बाग के घने पेड़ों के बीच से भागने के सभी संभावित रास्तों को बंद करने के लिए अतिरिक्त जवान तैनात किए और इलाके में रोशनी का इंतजाम भी किया। जब सेना के जवान उनकी ओर बढ़े तो उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी।

### दावा-कुलगाम का रहने वाला था जाकिर

सूत्रों के मुताबिक, कुलगाम के मुतलहम गांव के रहने वाले जाकिर अहमद गनी को सुरक्षा बलों ने कल दक्षिण कश्मीर के जिलों में दूसरे आतंकवादियों के साथ ट्रैक किया था। जाकिर का नाम पाकिस्तान से जुड़े कई आतंकी हमलों से भी जुड़ा था। अक्टूबर 2025 में कोर्ट ने इनके खिलाफ नोटिस जारी किया था और हाल ही में उनका नाम अप्रैल 2026 के पहलगाम आतंकी हमले की जांच से भी जुड़ा था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर में 14 आतंकवादियों की सूची जारी की थी और उनके घर भी गिरा दिए गए थे। सुरक्षा रिकॉर्ड के मुताबिक, जाकिर 2024 से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ है, जबकि लतीफ पिछले साल टीआरएफ में शामिल हुआ था।

# अस्पताल में नहीं मिली सुविधा, गर्भवती की हुई मौत

### अल्ट्रासाउंड के लिए 110 किलोमीटर दूर जाने के दौरान हुई मौत

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वारः पर्वतीय क्षेत्रों में एक बार फिर बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था गर्भवती के जीवन पर भारी पड़ी है। आठ माह की गर्भवती महिला को समय पर अल्ट्रासाउंड जैसी बुनियादी जांच सुविधा नही मिल सकी। इसके लिए परिजनों को करीब 110 किलोमीटर दूर काशीपुर जाना पड़ा। वहां गर्भ में पल रहे शिशु की मौत की पुष्टि हुई। प्रसव के बाद महिला की हालत बिगड़ने पर उसे हल्द्वानी रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

ग्राम कलखोबिया (किनगोड़ीखाल) निवासी विनीता उर्फ अनीता का विवाह करीब डेढ़ वर्ष पूर्व ग्राम बडेरी-नलाई निवासी कुलदीप सिंह से हुआ था। गर्भधारण के बाद उसका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नैनीडांडा में चल रहा था। वह आठ माह की गर्भवती थी। तीन दिन पहले अचानक तेज पेट दर्द और उल्टियों की शिकायत होने पर चिकित्सकों ने अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह दी। विकासखंड में यह सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण परिजन उसे 110 किलोमीटर दूर काशीपुर ले गए।

अल्ट्रासाउंड जांच में गर्भ में पल रहे शिशु की मौत की पुष्टि हुई। इसके बाद चिकित्सकों ने तत्काल प्रसव कराया, लेकिन मृत शिशु का जन्म हुआ। प्रसव के बाद भी विनीता की हालत में सुधार नहीं हुआ तो उसे हल्द्वानी रेफर कर दिया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों के अनुसार, करीब एक माह पहले विनीता ने रामनगर में गर्भावस्था संबंधी सभी जरूरी जांच कराई थीं। उस समय मां और शिशु दोनों स्वस्थ बताए गए थे। इसके बाद वह पुरुषोत्तम मास के दौरान मायके गई थी और कुछ दिन पहले ही ससुराल लौटी थी।

### स्वास्थ्य सुविधाओं पर फिर उठे सवाल

विनीता की मौत ने एक बार फिर पर्वतीय क्षेत्रों की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की हकीकत उजागर कर दी है। नैनीडांडा विकासखंड के किसी भी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध नहीं है। ऐसे में गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को छोटी-सी जांच के लिए भी लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे आपात स्थिति में जान का खतरा बढ़ जाता है।

### सड़क की बदहाली ने बढ़ाई परेशानी

विनीता को अस्पताल तक पहुंचाने का सफर भी आसान नहीं था। बडेरी-नलाई गांव तक सड़क नहीं पहुंचने के कारण परिजनों को पहले करीब एक किलोमीटर तक उसे पैदल ले जाना पड़ा। इसके बाद वाहन से काशीपुर के लिए रवाना हुए। ग्रामीणों का कहना है कि नलाई मल्ली से अदालीखाल तक सड़क वर्षों से जर्जर बनी हुई है और डामरीकरण नहीं होने से मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीण लंबे समय से सड़क को बडेरी–नलाई तक विस्तारित करने और उसका डामरीकरण कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

## योगीजी के डर से गुंडे-माफिया लुप्प लुप्प कर रहे

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- 2017 से पहले यूपी में गुंडाराज था। बहू-बेटी की इज्जत, आबरू खतरे में थी। अब कोई माफिया बचा है क्या। जब हम लोग छोटे थे, तो शोले पिक्चर देखकर चर्चा होती थी, सो जाओ नहीं तो गब्बर आ जाएगा। आज गुंडा-माफिया अपने घर में लुप्प, लुप्प कर रहे हैं। उन्हें डर है कि योगी जी आ जाएंगे। सीएम योगी ने यूपी में कानून राज स्थापित किया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कार्यकर्ताओं से कहा- मोदी जी कहते हैं कि देश में चार जातिया हैं। गरीब, महिला, किसान, युवा। कोई सोच सकता है कि पीछे बैठा कोई व्यक्ति दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी का अध्यक्ष बनेगा। यह भाजपा में ही संभव है। भाजपा 2027 और 2029 में प्रचंड बहुमत से आएगी। महिला आरक्षण बिल आया तो सपा और टीएमसी, कांग्रेस घड़ियाली आंसू बहाने लगे थे। उन्हें लगता था कि सत्ता उनके हाथ से खिसक जाएगी। महिलाओं के हक को लूटने का काम किया।

# एमपी से गुजरात तक बारिश ने ढाया 'कहर'

- नदी बन गई सड़कें, गुजरात में नाव चलानी पड़ रही है
- भीषण बारिश से महाराष्ट्र और गुजरात में बिगड़े हालात

**मुंबई (एजेंसी)।** देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में जेनिथ वॉटरफॉल में अचानक पानी का लेवल बढ़ गया। जिसमें 100 टूरिस्ट फंस गए, रस्सी की मदद से उन्हें निकाला गया। महाराष्ट्र में वसई के नालासोपारा में सड़क नदी जैसी बन गई। करीब 20 कारें उसमें डूब गईं। मुंबई में 64 पेड़ गिर गए और 8 मकानों की दीवारें ढह गईं। गुजरात के जूनागढ़ में कई इलाकों में 4 फीट तक पानी भर गया। सड़क पर नाव चलानी पड़ रही है। भावनगर में एक कार पानी में बह गई। छत्तीसगढ़ के रायपुर में शनिवार रात आधे घंटे के भीतर ही 30 मिमी पानी बरसा। टाटीबंध में घरों में पानी भर गया। एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ित यूनुस कुंडावाला को मलबे से निकालकर फौजिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

### छिंदवाड़ा-उमरिया में बारिश, श्योपुर में दुकानों में पानी भरा

मध्य प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। रविवार सुबह छिंदवाड़ा और आसपास के जिलों में पानी गिरा। दोपहर 12 बजे के बाद उमरिया में तेज बारिश हुई। श्योपुर में आधे घंटे की बारिश से दुकानों में पानी भर गया। भोपाल में धूप-छांव वाला मौसम है। इंदौर समेत कई जिलों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने प्रदेश के आधे हिस्से में अति भारी या भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में सबसे ज्यादा असर रहेगा।

## मशहूर पंडवानी गायिका तीजन बाई का निधन

### राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

**रायपुर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई का निधन हो गया। वे 70 साल की थीं। उन्होंने शनिवार रात 3.15 बजे रायपुर एम्स में अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ समय से बीमार थीं। भारतीय लोक कला में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। रविवार सुबह 11 बजे तीजन बाई के शव को उनके पैतृक गांव गनियारी लाया गया, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। तीजन बाई ने अपनी सशक्त आवाज, प्रभावशाली अभिनय और अनोखी प्रस्तुति शैली से पंडवानी को देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक में नई पहचान दिलाई। महाभारत की कथाओं को सुनाने की प्रेरणा उन्हें नाना से मिली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीजन बाई के निधन पर शोक जताया।

## पर्यटकों की कार खाई में गिरी, दो लोगों की मौत, तीन घायल

देहरादून। साहिया–क्वनू मोटर मार्ग पर रविवार शाम हादसा हो गया। पर्यटकों की एक कार खाई में गिर गई। इस दौरान दो लोगों की मौत की सूचना है। वहीं, तीन घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पर्यटक उत्तर प्रदेश के बताए जा रहे हैं। पर्यटक मोईला टॉप से वापस लौट रहे थे।

# आरोपियों से पूछताछ करने जेल पहुंची पुलिस

### रामंदिर चोरी: सभी को अलग-अलग बैरक में शिफ्ट किया गया

**अयोध्या (एजेंसी)।** अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के पांच आरोपियों से पूछताछ के लिए पुलिस रविवार दोपहर 1.50 बजे जेल पहुंची। राम मंदिर चोरी के 8 आरोपी जेल में बंद हैं। चढ़ावा चोरी के 3 आरोपियों से पुलिस पहले ही पूछताछ कर चुकी है। जिन आरोपियों से रविवार को पूछताछ होनी हैं, उनमें रमाशंकर मिश्रा, मनीष यादव, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा और करुणेश पांडेय शामिल हैं। इधर, अयोध्या जेल में शनिवार को सभी आरोपियों को अलग-अलग बैरक में शिफ्ट कर दिया गया है। पहले सभी एक बैरक में थे। पुलिस को शंका थी कि ये सभी आपस में मारपीट कर सकते हैं या कोई साजिश रच सकते हैं। इस बीच, लखनऊ में आम आदमी पार्टी के कार्यालय के बाहर रविवार को एक पोस्टर लगाया गया। पोस्टर पर लिखा है- 'चंदा चोर पार्टी का प्रवेश वर्जित है।'

### दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा: नितिन नवीन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर शनिवार को पहली बार बयान दिया। उन्होंने लखनऊ में कहा– जो हुआ, वह गलत है। इससे जनता में गलत संदेश गया है। यह विपरीत परिस्थिति है और विपक्ष को मुद्दा मिल गया है। प्रदेश सरकार कार्रवाई कर रही है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, जांच पूरी होने पर एसआईटी 15 जुलाई के बाद एफआईआर दर्ज करा सकती है। मुकदमे में मंदिर ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव को आरोपी बनाया जा सकता है।

### पहली बार राममंदिर की बैठक लीड नहीं करेंगे चंपत राय

अयोध्या श्रीराम ट्रस्ट की 6 जुलाई को होने वाली बैठक कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि लीड करेंगे। बैठक मणिराम दास छावनी में अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की अध्यक्षता में होगी। बतौर ट्रस्टी चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा को भी इस बैठक में बुलाया गया है। इसमें ट्रस्ट के सदस्य बहुमत के आधार पर निर्णय लेंगे कि महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर किया जाए या नहीं। 6 जुलाई को मंदिर ट्रस्ट की बैठक में ट्रस्टी दिनेंद्र दास मौजूद नहीं रहेंगे। उन्होंने बताया– वह बाहर रहेंगे, लेकिन बैठक में सभी से संपर्क में रहेंगे। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों का मामला है और बैठक में सदस्य जो भी निर्णय लेंगे, वही सभी को मान्य होगा।

### प्रियंका गांधी-केजरीवाल के बयान दर्ज हों

वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा- प्रियंका गांधी, अरविंद केजरीवाल, रामगोपाल यादव और संजय झा जैसे नेताओं ने चढ़ावा चोरी पर बड़े-बड़े दावे की हैं। अगर इन लोगों के बयान दर्ज किए जाएं, सबूत मांगे जाएं तो जांच में बहुत सहायता हो जाएगी। प्रो. राम गोपाल यादव ने कहा कि ये 20,000 करोड़ से ज्यादा का घपला है। प्रियंका गांधी ने कहा है कि हजारों-करोड़ों का चढ़ावा आता है, लेकिन हमारी जानकारी में ऐसा नहीं है। ये बड़े लोग हैं, पढ़े-लिखे लोग हैं, बड़े पदों पर लंबे समय से बने हुए हैं तो ये लोग किसी न किसी आधार पर ये बात कह रहे होंगे।

# सीएम ने यात्रियों के पहले दल को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

टनकपुर। कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू हो गई है। आज चंपावत में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कैलाश मानसरोवर यात्रियों के पहले दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। टनकपुर कैंप में आयोजित कार्यक्रम में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने श्रद्धालुओं के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि आप वहां क्षेत्र में भोलेनाथ के दर्शन के लिए जा रहे हैं तो उत्तराखंड की संस्कृति का प्रचार भी आप अपने-अपने क्षेत्र में जरूर करें। इस दौरान उन्होंने जातियों से धारचूला में स्थानीय उत्पादों को खरीदने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जिस तरह वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा दे रे हैं। उसी तरह से आप भी वहां के स्थानीय उत्पाद खरीद कर वहां के स्थानीय उत्पादकों को प्रोत्साहित करें'

कहा कि वह कैलाश मानसरोवर यात्रा के दर्शन को जा रहे हैं तो वहां से वापस लौटकर वह अपने-अपने राज्यों में जब जाएंगे तो उत्तराखंड के ब्रांड एम्बेसडर बनकर जाएंगे।

## सांप के डसने से 22 वर्षीय युवक की मौत

रूड़की। गाधारोणा गांव में देर शाम सांप के डसने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक अपने खेत में खाद डाल रहा था। तभी अनजाने में उसका पैर सांप पर पड़ गया। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।गाधारोणा निवासी निजाम (22) शनिवार शाम करीब आठ बजे अपने खेत में खाद डाल रहा था। इसी दौरान अचानक उसका पैर सांप पर आ गया। सतर्क हुए सांप ने तुरंत निजाम के पैर में डस लिया। अपनी जान बचाने के लिए युवक ने तुरंत पैर पर पट्टी (बंद) बांधी और आनन-फानन में घर पहुंचा।

परिजन युवक को गंभीर हालत में लेकर देहरादून के अस्पताल पहुंचे जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। युवक के परिजनों ने बताया कि निजाम का रिश्ता लंढौरा निवासी एक युवती के साथ तय हो चुका था।

# केतन लाल हत्याकांड पर अगस्त्यमुनि में कैंडल मार्च

अगस्त्यमुनि। केतन लाल हत्याकांड के विरोध में विभिन्न सामाजिक संगठनों ने रविवार को कैंडल मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से शीघ्र व कड़ी सजा दिलाने की मांग की। कैंडल मार्च शाम सात बजे पुराने टैक्सी स्टैंड से शुरू होकर पुलिस चौकी अगस्त्यमुनि तक निकाला गया। इस दौरान वैचारिक महासभा, अनुसूचित जाति-जनजाति, शिक्षक संगठन, बामसेफ व अन्य सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों ने घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ त्वरित न्याय किया जाए ताकि समाज में ऐसा अपराध दोबारा न हो। प्रदर्शनकारियों ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक व समाज में वैमनस्य फैलाने वाली पोस्ट और टिप्पणियां करने वालों के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी प्रकार की सामाजिक विद्वेष फैलाने वाली गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जानी चाहिए। कैंडल मार्च में महासभा के जिला अध्यक्ष विजय बैरवाण, भुवनेश्वरी चंदानी, कांग्रेस नेता दीपा देवी आर्य, बामसेफ के जिला अध्यक्ष धीरज श्रीकोटी, वीरपाल परसवाण, मनोज तिनसोला, जिला पंचायत सदस्य विमला देवी, सुलोचना देवी, अजय कुमार, विजय भारती, जयवर्धन शाह , संजय टम्टा सहित महिलाएं एवं पुरुष शामिल रहे।

## एक नजर

### जिला फुटबॉल एसोसिएशन के संजय अध्यक्ष और देवेंद्र सचिव बने

नई टिहरी। जिला फुटबॉल एसोसिएशन नई टिहरी की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें संजय उनियाल अध्यक्ष और देवेंद्र राणा सचिव चुने गए। बौराड़ी में जिला फुटबॉल एसोसिएशन की वार्षिक बैठक में पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया।

संघ के सचिव राणा ने बताया कि बैठक में सभी सदस्यों ने फुटबॉल में युवाओं की रुचि बढ़ाने और आगामी दिनों में होने वाली फुटबॉल प्रतियोगिताओं के आयोजन पर चर्चा की। कहा कि जिला मुख्यालय के बौराड़ी में एक मात्र खेल मैदान है। मैदान का ड्रेनेज सिस्टम सही न होने के कारण खेल प्रतियोगिता के आयोजन में भारी परेशानी झेलनी पड़ती है।

बताया कार्यकारिणी में हनुमंत महर संरक्षक, अबरार अहमद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अरविंद राणा और राजीव को उपाध्यक्ष, अर्जुन बलूनी कोषाध्यक्ष, असद आलम को मीडिया प्रभारी, इमरान खान, सुशील कुमार, संजय घल्डियाल, अमूल्य पैन्यूली को सदस्य बनाया गया है। इस मौके पर मानवेंद्र रावत, दर्शन गुसाईं, अजय पंवार, सुशील भट्ट आदि मौजूद रहे।

### बैंक अधिकारियों ने स्वरोजगार योजनाओं की दी जानकारी

लंबगांव (टिहरी)। भारतीय स्टेट बैंक लंबगांव शाखा की ओर से व्यापार मंडल और टैक्सी यूनियन लंबगांव के पदाधिकारियों, व्यापारियों तथा वाहन स्वामियों को वित्तीय जागरूकता के साथ स्वरोजगार के बारे में जानकारी दी।

एसबीआई के मुख्य प्रबंधक प्रदीप सिंह, जितेंद्र सिंह ने कार्यशाला में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि एवं व्यवसायिक ऋण योजनाओं सहित विभिन्न प्रकार की बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी दी। वाहन स्वामियों को बैंक की ओर से संचालित विभिन्न बीमा योजना और उनके लाभों के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर प्रतापनगर बैंक शाखा प्रबंधक संजय नेगी, लंबगांव के भुवन ननकानी, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पंवार, टैक्सी यूनियन के यशपाल राणा, उदय रावत, युद्धवीर राणा, अमन राणा, मनीष पंवार, सुमन कैंतुरा, प्रदीप रावत, कविराज बगियाल, जितेंद्र रांगड़ आदि मौजूद थे।

### अठूरवाला में तीन अवैध भंडारणों पर हुई कार्रवाई

जौलीग्रांट। विस्थापित क्षेत्र अठूरवाला में खनन विभाग की ओर से तीन अवैध भंडारणों पर कार्रवाई करते हुए 80 हजार रुपये राजस्व वसूला गया। जिला खान अधिकारी के निर्देशानुसार कार्रवाई करते हुए अठूरवाला में अवैध रूप से संचालित उपखनिज भंडारण का निरीक्षण किया गया। अवैध भंडारण करने वाले गुलफाम ट्रेडर्स, फुरकान ट्रेडर्स और जेके सैनी कंस्ट्रक्शन पर कार्रवाई करते हुए राजस्व वसूला गया। सहायक खनिज पर्यवेक्षक पंकज चंद ने कहा कि जिला खान अधिकारी के निर्देशानुसार अठूरवाला में तीन अवैध भंडारण पर कार्रवाई की गई है। जौलीग्रांट आदि स्थानों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

### सूने घर से जेवर और नकदी ले उड़े चोर

रूड़की। कोतवाली क्षेत्र के गांव बुढ़पुर जट्ट में चोरों ने एक सूने मकान को अपना निशाना बनाया। चोर घर की पिछली दीवार फांदकर अंदर घुसे और आभूषण व नकदी चोरी कर ली। पड़ोसियों के शोर मचाने पर चोर फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के बुढ़पुर जट्ट निवासी दीपक कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह और उनका परिवार किसी काम से बाहर गए हुए थे। घर पर कोई मौजूद नहीं था। इसी का फायदा उठाकर 24 जून की रात करीब 12 बजे चोरों ने घर की पिछली दीवार फांदकर अंदर प्रवेश किया। दीपक ने बताया कि जब चोर घर में चोरी कर रहे थे तभी पड़ोसियों ने हलचल देखी और शोर मचा दिया। शोर सुनकर दीपक का चचेरा भाई बाहर निकला लेकिन तब तक चोर चोरी किया गया सामान लेकर मौके से भाग चुके थे।

# सिरासू पुल के पास स्नान के दौरान गंगा में बहा मेरठ का युवक

ऋषिकेश , ऋषिकेश में लक्ष्मणझूला क्षेत्र में गूलर के पास सिरासू पुल के नजदीक मेरठ से आए पांच युवक गंगा नदी में स्नान कर रहे थे। स्नान के दौरान उनमें से एक युवक तेज बहाव में बह गया। सूचना के बाद एसडीआरएफ ढालवाला की टीम घटनास्थल पर पहुंची। युवक की खोज जारी है।

एसडीआरएफ निरीक्षक कवींद्र सजवाण ने बताया कि युवक अपने चार अन्य साथियों के साथ गंगा नदी में स्नान कर रहा था, इस दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया, जिससे वह गंगा की तेज धारा में बह गया।

बताया कि सर्च अभियान शुरू किया गया है। गंगा नदी का जलस्तर काफी अधिक होने के कारण संभावित स्थानों पर कांटों एवं डीप डाइविंग उपकरणों की सहायता से गहन खोजबीन की गई, लेकिन युवक का कोई पता नहीं चल पाया। युवक की पहचान सार्थक(23) पुत्र विनोद कुमार, निवासी कांकरखेड़ा बाईपास, मेरठ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। एक गाजियाबाद में किसी फाइनेंस कंपनी में काम करता था।

# निरंजनपुर मंडी में युवक को बनाया बंधक: दी हैवानियत भरी यातनाएं

देहरादून। पटेलनगर कोतवाली क्षेत्र में जाखन कैनाल रोड निवासी आजाद सिंह आजाद रावत ने अंकुर वाल्मीकि और उसके साथी साहिल पुत्र ताहिर पर अपहरण, बंधक बनाकर अमानवीय यातनाएं देने और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, तीन जुलाई की शाम करीब आठ बजे लालपुल, पटेलनगर के पास आजाद सिंह पैदल जा रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान तेज रफ्तार एक्टिवा चला रहे अंकुर वाल्मीकि ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद दोनों पक्ष सड़क पर गिर गए, लेकिन आरोप है कि इसके बाद अंकुर और उसका साथी साहिल आक्रामक हो गए। दोनों ने कथित रूप से पीड़ित के साथ गाली-गलौज, मारपीट और दांतों से काटने जैसी हरकत की।

पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद दोनों उसे जबरन निरंजनपुर फल मंडी स्थित दुकान नंबर 106 में ले गए, जहां पूरी रात उसे बंधक बनाकर रखा गया। तहरीर में दावा किया गया है कि दुकान के भीतर उसके साथ बेहद क्रूर व्यवहार किया गया। आरोपियों ने कथित तौर पर उसे बिजली का करंट लगाया, गर्म लोहे की रॉड से प्रताड़ित किया और गंभीर रूप से घायल किया। इतना ही नहीं, पीड़ित ने आरोप लगाया है कि उसके गुप्तांग में पेचकस घुसाकर उसे असहनीय यातनाएं दी गईं। इस दौरान आरोपी लगातार उसे जान से मारने की धमकी भी देते रहे।

# स्यानाचट्टी में मंडराने लगा आपदा का संकट

बडकोट। यमुनोत्री धाम के प्रमुख पड़ाव स्यानाचट्टी पर एक बार फिर आपदा का खतरा मंडराने लगा है। नीचे से लगातार बारिश से उफनाती यमुना नदी का बढ़ता जलस्तर, दोनों ओर बहने वाले खड्डों का खतरा बना हुआ है। इस बार पीछे की पहाड़ी से हो रहा भूस्खलन स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा रहा है।

लोगों का आरोप है कि एक वर्ष बाद भी सरकार और प्रशासन स्थायी बाढ़ सुरक्षा और नदी की निर्बाध निकासी सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं जिससे स्यानाचट्टी एक बार फिर बड़े खतरे के मुहाने पर खड़ा है। यमुनोत्री क्षेत्र में शनिवार दोपहर बाद लगातार हुई बारिश से यमुना नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा। लगातार हो रही बारिश के कारण स्यानाचट्टी के लोग भय और असमंजस के माहौल में हैं। कुपड़ा खड्ड और यमुना नदी के संगम स्थल पर अब भी भारी मात्रा में मलबा जमा होने से नदी का प्रवाह संकरा हो गया है। इसके चलते यमुना का पानी रुक-रुककर आगे बढ़ रहा है जिससे जलभराव की स्थिति बनने का खतरा बढ़ गया है।

# बिजनौर की पुरानी रंजिश में चली थीं गोलियां, तीन आरोपी गिरफ्तार

देहरादून। रायपुर थाना क्षेत्र के रिंग रोड स्थित शराब के ठेके के बाहर हुई फायरिंग की सनसनीखेज वारदात का दून पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी अक्षय प्रधान और उसके अन्य साथियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि फायरिंग की वजह बिजनौर में एक शादी समारोह के दौरान हुआ पुराना विवाद और उसी से चली आ रही रंजिश थी। एसएसपी देहरादून के निर्देश पर गठित पांच पुलिस टीमों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और घायलों समेत प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की। जांच में पता चला कि तीन जुलाई की रात करीब नौ बजे रिंग रोड स्थित शराब के ठेके के बाहर कमेंद्र शर्मा अपने साथियों नवीन राणा और रोहन कुमार के साथ मौजूद था। इसी दौरान तीन-चार युवक वहां पहुंचे और पिस्टल से दो राउंड फायरिंग कर दी। एक गोली नवीन राणा के कंधे में लगी, जबकि दूसरी गोली कमेंद्र शर्मा के पैर में लगी।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी अक्षय प्रधान निवासी कीरतपुर (बिजनौर) और कमेंद्र शर्मा के बीच पहले बिजनौर में एक शादी समारोह के दौरान विवाद हुआ था। उसी घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच लगातार रंजिश चली आ रही थी। आरोप है कि अक्षय प्रधान और उसके साथी कमेंद्र शर्मा के दोस्त अक्षय को फोन कर लगातार धमकियां और गाली-गलौज कर रहे थे। इसकी जानकारी मिलने पर कमेंद्र शर्मा अपने साथियों के साथ छह नंबर पुलिया के पास पहुंचा, जहां दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद फायरिंग हो गई।

# सोशल मीडिया से पोस्ट हटाने पर बिफरे यूकेडी कार्यकर्ता

देहरादून। सोशल मीडिया से पोस्ट हटाने को लेकर यूकेडी कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कचहरी रोड स्थित साइबर कार्यालय कूच के लिए निकले। इस दौरान कार्यालय के बाहर तैनात पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रास्ता बंद कर दिया।

कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार विपक्षी दलों द्वारा सोशल मीडिया पर किए पोस्ट को हटवाती है। भाजपा सरकार में सरकार की आलोचना करने वालों पर मामले दर्ज हो रहे हैं और उनकी आवाज को दबाया जा रहा है। उत्तराखंड कार्यकर्ताओं के निशाने पर उत्तराखंड की साइबर पुलिस भी रही। उन्होंने पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए।

## वर्क वीजा के नाम पर तीन लाख रुपये ठगने का आरोप

रूड़की विदेश में नौकरी और वर्क वीजा दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के नारसन कलां गांव निवासी अजय कुमार ने चंडीगढ़ स्थित टू पर्ज इमिग्रेशन एजेंसी पर तीन लाख रुपये ठगने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने डीजीपी को प्रार्थना पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है। डीजीपी के आदेश पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।पीड़ित अजय कुमार ने अपनी शिकायत में बताया कि करीब दो साल पहले उसे टू पर्ज इमिग्रेशन एजेंसी से फोन आया था। एजेंसी के कर्मचारियों ने उन्हें विदेश भेजने का प्रलोभन देकर सेक्टर 9-सी, चंडीगढ़ स्थित अपने कार्यालय पर बुलाया। वहां मौजूद यतेंद्र नामक व्यक्ति ने बातों में फंसाकर उनसे अलग-अलग किस्तों में तीन लाख रुपये ऐंठ लिए। इनमें से कुछ भुगतान ऑनलाइन और कुछ नकद लिए गए।

## मुंडलाना में जलभराव से त्रस्त ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

रूड़की। नारसन विकासखंड के गांव मुंडलाना में जलभराव की गंभीर समस्या के कारण ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। इसके विरोध में ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है। समस्या के स्थायी समाधान के लिए ग्रामीण गांव में ही धरने पर बैठ गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण जलभराव की समस्या बनी हुई है। बारिश का पानी और घरों का गंदा पानी गलियों में जमा होने से ग्रामीणों का जीना दूभर हो गया है। जलभराव के कारण न केवल आवाजाही में दिक्कत हो रही है बल्कि गंदगी से बीमारियों के फैलने का खतरा भी बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। धरने पर बैठे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि कुंवर सिंह ने कहा कि जब तक जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो जाता तब तक ग्रामीणों का प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिकारी केवल आश्वासन दे रहे हैं लेकिन धरातल पर कोई काम नहीं हो रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

# धराली आपदा से सबक: गंगोत्री के पुरातन मार्ग विकसित करने पर फोकस

देहरादून। धराली आपदा के दौरान गंगोत्री मार्ग कई दिनों तक बंद रहा था। इसके दृष्टिगत वैकल्पिक मार्गों पर फोकस बढ़ाया गया है, जिससे किसी भी आपात स्थिति में मार्ग का इस्तेमाल किया जा सके। इसी के तहत उत्तरकाशी जिले में सूखी गांव से लेकर जांगला तक के पैदल मार्ग को विकसित करने की योजना है। इसके लिए नए सिरे से वन भूमि हस्तांतरण का प्रस्ताव तैयार कर वन महकमे के पास भेजा गया है। धराली आपदा के बाद से आपदा प्रबंधन के क्षेत्र को और सुदृढ़ करने के कदम उठाएं जा रहे हैं। इसके साथ ही आपदा के समय आईं चुनौतियों और मुश्किलों से मिले अनुभव के आधार पर उससे निपटने की कोशिश के तहत संसाधनों को जुटाया जा रहा है। धराली आपदा के समय मार्ग को भारी नुकसान पहुंचा था, इससे आवागमन कई दिनों तक प्रभावित रहा था। ऐसी स्थिति से निपटने को लेकर वैकल्पिक मार्ग को तैयार करने की योजना पर नए सिरे से कोशिश को तेज की है। इसी के तहत उत्तरकाशी जिले में सूखी गांव, हर्षिल, धराली तक 18 किमी का पुरातन मार्ग था, उसकी सुध ली गई है। बताया जाता है कि इस मार्ग का इस्तेमाल धाम में पहुंचने के श्रद्धालु उस दौर में करते थे, जब वर्तमान मार्ग नहीं बना और सुविधाएं नहीं थीं। अभी यह पैदल मार्ग है।

# वैध रूप से शराब पीने-पिलाने पर कार्रवाई

देहरादून। पटेलनगर थाना पुलिस ने ट्रांसपोर्टनगर स्थित होटल में बिना लाइसेंस और परमिट के ग्राहकों को शराब परोसने के आरोप में होटल संचालक को गिरफ्तार किया है। वहीं सार्वजनिक स्थानों और सड़क किनारे शराब पी रहे 79 लोगों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ पुलिस अधिनियम में चालानी कार्रवाई की गई। पटेलनगर थाना प्रभारी विनोद गुसाईं ने बताया कि जनपद में अपराध और अव्यवस्था पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत होटल, ढाबों और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष चेकिंग की जा रही है। बताया कि ट्रांसपोर्टनगर स्थित होटल तंदूर नाइट में पुलिस टीम ने छापा मारा। जांच में पाया गया कि होटल में बिना वैध लाइसेंस या परमिट के लोगों को बैठाकर शराब पिलाई जा रही थी। मौके से शराब की खुली बोतलें और डिस्पोजल गिलास भी

बरामद किए गए। पुलिस ने होटल संचालक मकान सिंह (38) निवासी ट्रांसपोर्टनगर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा पटेलनगर क्षेत्र में सड़क किनारे, सार्वजनिक स्थलों और वाहनों में खुलेआम शराब पीने और पिलाने वालों के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान पुलिस ने 41 लोगों को हिरासत में लेकर थाने लाई।पूछताछ के बाद सभी के खिलाफ पुलिस अधिनियम के तहत चालान किया गया और भविष्य में सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन नहीं करने की सख्त चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों को मयखाना बनाने की किसी को अनुमति नहीं दी जाएगी।

एक नजर

## जड़ी-बूटी दिवस मनाएगा भारत स्वाभिमान न्यास, औषधीय पौधों का होगा वितरण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः भारत स्वाभिमान न्यास एवं पतंजलि योग समिति की मासिक बैठक रविवार को टाटा परिसर स्थित योग कक्षा में आयोजित हुई। बैठक में आगामी चार अगस्त को आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस के अवसर पर जड़ी-बूटी दिवस को भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर आमजन को औषधीय पौधों का निशुल्क वितरण भी किया जाएगा।

कार्यक्रम के सफल आयोजन की जिम्मेदारी किसान सेवा समिति के जिला प्रभारी चंद्रकिशोर असवाल को सौंपी गई। राज्य कार्यकारी सदस्य अमित सजवाण, डॉ. रवि नेगी, भगवती प्रसाद जुयाल, अर्जुन भंडारी और देवेंद्र रावत सहित अन्य योग साधकों ने आयोजन में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया। बैठक के दौरान टाटा योग कक्षा के सफल संचालन में उल्लेखनीय योगदान के लिए पिंकी पोखरियाल, रोशनी देवी, दमयंती नौटियाल और सुशील चौहान को सम्मानित किया गया। साथ ही निर्णय लिया गया कि अगली मासिक बैठक श्री गीता मंदिर योग कक्षा में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी दिनेश जुयाल ने की। इस अवसर पर गुरु राम राय योग कक्षा के साधकों सहित बीना रावत, यशोदा गोसाई, सुनीता बिष्ट, निर्मला तिवारी, सुनीता रावत, सुनैना राय और बड़ी संख्या में योग साधक उपस्थित रहे।

## आंदोलन को समर्थन देने के लिए चार किमी पैदल दूरी तय कर पहुंचे ग्रामीण

उत्तरकाशी। भटवाड़ी में तीन सूत्री मांगों को लेकर धरने पर बैठे लोगों को रविवार को जिला कांग्रेस कमेटी सहित भटवाड़ी व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने अपना समर्थन दिया। व्यापार मंडल का कहना है कि अगर आवश्यकता पड़ी तो क्षेत्र के विकास के लिए बाजार बंद कर मांगों को लेकर लड़ाई में अपना सहयोग करेंगे। साथ ही तय रोस्टर के अनुसार सौरा गांव और सालू गांव के लोगों ने भी आंदोलन में प्रतिभाग किया।

भटवाड़ी विकासखंड के सालू गांव के पहले लोग जंगल के बीच चार किमी की पैदल दूरी तय कर सड़क तक पहुंचे। उसके बाद वह करीब चार किमी वाहन से धरनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में आज भी मूलभूत सुविधाओं की कमी बनी हुई है। वह शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं के लिए कई बार शासन–प्रशासन से गुहार लगा चुके हैं लेकिन आज तक वह मांगे पूरी नहीं हो रही है। दूसरी ओर भटवाड़ी व्यापार मंडल ने भी आंदोलन को समर्थन देते हुए कहा कि अगर सुनवाई नहीं होती है तो जल्द ही क्षेत्र में बाजार बंद का एलान किया जाएगा। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य बबीता रावत, विवेक नौटियाल, यजवेंद्र रावत, अनिल रावत, केशव नौटियाल, प्रीतम रावत, विपिन राणा, आकाश, संदीप, बुद्धि लाल, बलराज राणा आदि मौजूद रहे।

## लावारिस कुत्तों के लिए शुरू हुआ 9 इन 1 वैक्सीनेशन अभियान

उत्तरकाशी। जिले में हाल के दिनों में लावारिस कुत्तों के व्यवहार में बदलाव की घटनाओं के बीच लहित एनिमल वेलफेयर ग्रुप ने विशेष 9–इन–1 वैक्सीनेशन अभियान शुरू किया है। आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लावारिस कुत्तों को गंभीर संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए लावारिस कुत्तों का वैक्सीनेशन किया जा रहा है। ग्रुप पिछले दो वर्षों से निरंतर एंटी–रेबीज टीकाकरण अभियान चला रहा है। समूह के सदस्यों ने बताया कि पिछले वर्ष वर्ल्डवाइड वेटरिनरी सर्विस के सहयोग से करीब 500 निराश्रित श्वानों का एंटी–रेबीज टीकाकरण किया गया था। इस वर्ष भी संस्था के सहयोग से 500 एंटी–रेबीज वैक्सीन उपलब्ध कराई गई हैं। कई समाजसेवियों और पशुप्रेमियों ने 9–इन–1 वैक्सीन प्रायोजित कर अभियान को समर्थन दिया है। समूह का कहना है कि निराश्रित पशुओं के स्वास्थ्य की अनदेखी सीधे जनस्वास्थ्य पर भी असर डाल सकती है। ऐसे में समय पर टीकाकरण से न केवल पशुओं को विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाया जा सकेगा, बल्कि आम लोगों के लिए भी सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित होगा। अभियान में पशुपालन विभाग के विद्या प्रकाश और स्मृति थपलियाल ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया। वहीं रेडक्रॉस चेयरमैन माधव प्रसाद जोशी ने भी अभियान को अपना समर्थन दिया। ग्रुप के सदस्यों ने इसे पशु कल्याण और जनस्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया है। इस अवसर पर सदस्य आशुतोष नौटियाल, खुशी नौटियाल, पंकज राणा, सलोनी पंवार, रिया गुसाईं, आरती पंवार, अंजली पंवार, रौनक रमोला, आयुष राणा, ईशा पंवार मौजूद रहे।

## साप्ताहिक बंदी का कड़ाई से पालन होगा

नौगांव (उत्तरकाशी)। नगर व्यापार मंडल की बैठक में व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से साप्ताहिक बंदी का कड़ाई से पालन कराने का निर्णय लिया गया। व्यापार मंडल अध्यक्ष विपिन रमोला ने सभी व्यापारियों से संगठन के नियमों के अनुरूप व्यवसाय संचालित करने की अपील की। रविवार को व्यापार मंडल अध्यक्ष विपिन रमोला की अध्यक्षता में व्यापारियों की एक बैठ की गई। उन्होंने कहा कि कुछ व्यापारियों की ओर से लगातार साप्ताहिक बंदी का उल्लंघन किए जाने की शिकायतें मिल रही हैं। इससे अन्य व्यापारियों में असंतोष है। ऐसे व्यापारियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध संगठन स्तर पर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि रविवार को केवल दुग्ध डेयरी, मेडिकल स्टोर तथा फल एवं सब्जियों की दुकानें ही खुली रहेंगी। इसके साथ ही नगर में आयोजित होने वाले रुद्रेश्वर देवता मेले एवं मां भगवती जागरण के सफल आयोजन को लेकर भी व्यापारियों से सुझाव लिए गए। इसके अलावा नगर क्षेत्र से गुजर रहे यमुनोत्री हाईवे की बदहाल स्थिति पर राजमार्ग निर्माण खंड के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए सड़क पर बने गड्ढों को जल्द भरने, सड़क पर बह रहे गंदे पानी की समुचित निकासी की व्यवस्था करने की मांग की गई।

# नहरों के ऊपर टूटे चैम्बर , जिम्मेदार सिस्टम मौन

**नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में क्षतिग्रस्त पड़े हैं नहर के ऊपर बने चैंबर**

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वारः कुछ वर्ष पूर्व सिताबपुर क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था। नहर के ऊपर बने एक टूटे हुए चैंबर से बहते पानी में गिरने से एक मासूम बच्ची की मौत हो गई थी। इसके बाद स्थानीय लोगों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए नहरों के ऊपर टूटे चैंबर की मरम्मत करवाने की मांग उठाई। लेकिन, सरकारी सिस्टम ने चैंबर मरम्मत के नाम पर केवल खानापूर्ति दिखाई। नतीजा, आज भी जगह-जगह टूटे हुए चैंबर हादसों को न्यौता दे रहे हैं। वर्षाकाल के समय यह लापरवाही किसी के भी जीवन पर भारी पड़ सकती है।

नगर निगम बनने के बाद क्षेत्रवासियों को बेहतर विकास की उम्मीद थी। लेकिन, पिछले नौ वर्षों में नगर निगम क्षतिग्रस्त पड़े चैंबरों की मरम्मत तक नहीं रवाया पाया है। नतीजा,

कोटद्वार के सिताबपुर मोहल्ले में नहर के ऊपर खुला चैंबर

इन टूटे हुए चैंबर से हर समय दुर्घटनाओं का अंदेशा बना हुआ है। एक ओर जहां दोपहिया वाहन चालक इसकी चपेट में आने से चोटिल हो रहे हैं। वहीं, स्कूल आवागमन करने वाले बच्चों को भी खतरा बना हुआ है। सबसे बुरी स्थिति मानपुर रोड से देवी रोड को आने वाले सिताबपुर क्षेत्र में बनी हुई है। इसी स्थान पर कुछ वर्ष एक आठ वर्षीय एक बालिका चैंबर से नहर में गिर गई थी। नहर के बहाव में बहने के बाद बच्ची का शव देवी रोड पदमसिंह बिल्डिंग के समीप बरामद हुआ था। चौंकाने वाली बात तो यह है कि सरकारी सिस्टम इसके बाद भी चैंबर मरम्मत को लेकर लापरवाह बना हुआ है। जबकि, वर्षाकाल के दौरान नहरें तेज बहाव में बहती हैं।

### इन स्थानों पर बनी है समस्या

नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत शायद ही कोई ऐसा वार्ड हो जहां आपकों टूटे हुए चैंबर न दिखाई दें। मानुपर क्षेत्र में गलियों को आपस में जोड़ने वाली नहर के ऊपर बने अधिकांश चैंबर टूटे हुए हैं।

यही स्थिति गोविंद नगर, काशीरामपुर क्षेत्र, सिताबपुर क्षेत्र व भाबर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में बनी हुई है। दो दिन पूर्व ही गोविंद नगर में नहर के ऊपर बने चैंबर मरम्मत व नहर की सफाई के लिए स्थानीय लोगों ने सिंचाई विभाग को पत्र दिया था। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो वर्षाकाल में स्थिति विकराल हो सकती है।

## वॉलमैन व ऑपरेटर को 19 माह से नहीं मिला मानदेय

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः जल संस्थान की चौबट्टाखाल पेयजल पंपिंग योजना में कार्यरत एक वॉलमैन/ऑपरेटर को पिछले 19 माह से मानदेय नही मिला है। इससे उसके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कार्मिक ने जल्द मानदेय भुगतान की मांग की है। वही विभाग का कहना है कि जिला योजना से बजट मिलने में देरी के कारण भुगतान प्रभावित हुआ है चौबट्टाखाल पेयजल पंपिंग योजना में कार्यरत वॉलमैन/ऑपरेटर मनोहर प्रसाद ने बताया कि सितंबर 2024 से मार्च 2026 तक नियमित सेवा देने के बावजूद उन्हें 19 माह का मानदेय नही मिला है। इसके चलते घर का खर्च चलाने, बच्चों की स्कूल फीस जमा करने और दैनिक जरूरतें पूरी करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि इस संबंध में कई बार विभाग को लिखित और मौखिक शिकायत दी जा चुकी है लेकिन अब तक भुगतान नहीं हुआ। वही, जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता प्रवीण सैनी ने बताया कि वॉलमैनों का मानदेय जिला योजना से प्राप्त बजट से दिया जाता है। कई बार बजट समय पर नही मिलने से भुगतान में देरी हो जाती है।

## बार-बार बिजली कटौती से जनजीवन बेहाल

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः** नगर क्षेत्र से लेकर ग्रामीण इलाकों तक लगातार हो रही बिजली की आवाजाही लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई है। दिन और रात में कई बार बिजली आपूर्ति बाधित होने से आमजन का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। उमस भरी गर्मी के बीच बार-बार बिजली गुल होने से लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है, जबकि पेयजल आपूर्ति, व्यापारिक गतिविधियों और विद्यार्थियों की पढ़ाई पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। नगर के पदमपुर सुखरो, गोविंदनगर, सनेह, दुर्गापुरी, नींबूचौड़, सिगड्डी, किशनपुरी, झंडीचौड़, लालपानी, देवी रोड और बद्रीनाथ मार्ग समेत कई क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को दिनभर कई बार बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में दुगड्डा, जयहरीखाल, रिखणीखाल, यमकेश्वर और आसपास के गांवों में भी विद्युत आपूर्ति लगातार बाधित होने से लोग परेशान हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि कई स्थानों पर कुछ ही मिनटों के अंतराल में कई बार बिजली आने–जाने से घरेलू विद्युत उपकरणों के खराब होने का खतरा बना हुआ है। बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली कटौती होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। रात के समय बिजली गुल होने पर बुजुर्गों, बच्चों और मरीजों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। दुकानदारों और छोटे कारोबारियों ने भी लगातार बाधित हो रही बिजली आपूर्ति पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे उनका कामकाज प्रभावित हो रहा है और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) से विद्युत व्यवस्था में सुधार, फॉल्ट की स्थिति में त्वरित मरम्मत और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

## शिविर में दी सरकारी योजनाओं की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः सेवा पखवाड़े के तहत रविवार को विकासखंड सभागार में जनसेवा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। मुख्य अतिथि उत्तराखंड खेल परिषद के अध्यक्ष व दायित्वधारी कुलदीप बुटोला ने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेशभर में संचालित यह अभियान शासन और जनता के बीच की दूरी कम करने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। अभियान के प्रथम चरण से अब तक पांच लाख से अधिक लोग लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने युवाओं और महिलाओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार और उद्यमिता अपनाने व स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग कर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। मुख्य विकास अधिकारी अशोक जोशी ने कहा कि जनपद में कृषि, बागवानी और जैविक खेती की अपार संभावनाएं हैं। आधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं के समन्वय से किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं।

**जनचौपाल में उठे मुद्दों पर प्रशासन का एक्शन**

## कई समस्याओं का समाधान, शेष पर काम जारी

**जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः** रिखणीखाल और नैनीडांडा विकासखंड में कुछ दिन पूर्व जिला प्रशासन की ओर से आयोजित जनचौपालों में ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क, बिजली, जल निकासी और गैस सुविधा समेत विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखी थीं। शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब विभागों ने अधिकांश मामलों में कार्रवाई पूरी कर अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया को सौंप दी है, जबकि शेष प्रकरणों पर कार्य जारी है। जनचौपाल के बाद जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में शंकरपुर स्थित राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज में लंबे समय से बंद पड़ी पेयजल व्यवस्था को बहाल कर दिया गया है। विद्यालय परिसर में आवश्यक मरम्मत कार्य भी कराया गया है। वहीं शंकरपुर–गौला बखरोटी–कमेडा बसेड़ी मोटर मार्ग पर समलीकरण कार्य शुरू होने से आवागमन सुगम बनाने की दिशा में तेजी आई है। बिजली आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए पोल और विद्युत लाइन बदलने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। मैंदणी क्षेत्र में क्षतिग्रस्त पेयजल लाइन की मरम्मत के बाद जलापूर्ति सामान्य हो गई है। हर घर नल–घर जल योजना के लंबित कार्य पूरे कर कई परिवारों को पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई गई है। साथ ही रेवा पंपिंग योजना से प्रभावित जलापूर्ति भी बहाल कर दी गई है। संगलिया क्षेत्र के जडाऊखांद में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे नालियों और स्कपरों की सफाई के साथ कच्ची नाली निर्माण का कार्य पूरा कर लिया गया है, जिससे बरसात के दौरान जल निकासी व्यवस्था में सुधार हुआ है। नैनीडांडा क्षेत्र में जल निगम के अवर अभियंता को नियमित रूप से क्षेत्र में तैनात रहने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं मैंदणी और संगलिया में ग्रामीणों की मांग पर ओपन जिम स्थापित करने की स्वीकृति प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। मुस्याखांद क्षेत्र में हर घर नल योजना के अधूरे कार्य पूरे कराए जा रहे हैं, जबकि थवाड़ा-चैवाड़ा पंपिंग योजना की लीकेज दूर कर जलापूर्ति सुचारु करने का कार्य जारी है। भौन क्षेत्र में स्थानीय लोगों को गैस सुविधा उपलब्ध कराने के लिए इंडियन ऑयल के सहयोग से आगामी एक सप्ताह के भीतर गैस उप कार्यालय शुरू किए जाने की तैयारी अंतिम चरण में है।

# उत्तराखंड कांग्रेस की बड़ी कार्रवाईः पिथौरागढ़ के 3 वरिष्ठ नेता पार्टी से निष्कासित

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते पिथौरागढ़ जिले के तीन कांग्रेस नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया है। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री संगठन, राजेन्द्र सिंह भंडारी की ओर से जारी पत्र के अनुसार पूर्व जिलाध्यक्ष महेन्द्र लुंठी, पूर्व महिला जिलाध्यक्ष भावना नगरकोटी एवं दीपक लुंठी को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते छह वर्ष के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया है।

कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री संगठन भंडारी ने कहा कि उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर प्रदेशभर में "परिवर्तन संकल्प सम्मेलन" आयोजित किए जा रहे हैं। जिसके तहत 30 जून को प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में पिथौरागढ़ विधानसभा क्षेत्र में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। उपरोक्त तीनों कांग्रेसजनों द्वारा प्रदेश अध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ

नेताओं की उपस्थिति में अपने सहयोगियों के साथ कार्यक्रम में व्यवधान उत्पन्न किया गया, जो कि घोर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। इन तीनों कांग्रेसजनों द्वारा कार्यक्रम के मंच पर किये गये कृत्य एवं पार्टी विरोधी गतिविधियों से पार्टी संगठन की छवि धूमिल हुई, जिसे पार्टी नेतृत्व द्वारा गम्भीरता से लिया गया तथा उनको नोटिस जारी करते हुए तीन दिन के भीतर जवाब मांगा गया।

साथ ही जिला कांग्रेस कमेटी पिथौरागढ़ से मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई, जिसके आधार पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा राष्ट्रीय नेतृत्व से दिशा निर्देश के उपरान्त तीनों कांग्रेसजनों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। भंडारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक अनुशासित संगठन है तथा इसमें यदि अनुशासनहीनता होती है तो उसे कतई सहन नहीं किया जाएगा। जो भी पार्टी अनुशासन की लाईन पार करेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## मदरसों को मान्यता के लिए भूमि स्वामित्व होना जरूरी

देहरादून। उत्तराखंड में पंजीकृत 456 मदरसों में से अभी तक केवल 182 के पास ही भूमि के स्वामित्व की जानकारी सामने आई है। इनमें शिक्षा विभाग से मान्यता लेकर पहले से चल रहे 170 मदरसे हैं, जबकि 12 की संपत्ति उत्तराखंड वक्फ बोर्ड में दर्ज है।उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अस्तित्व में आने के बाद सभी मदरसों को प्राधिकरण से मान्यता के साथ ही शिक्षा विभाग से संबद्धता लेनी अनिवार्य है। इसमें भूमि का स्वामित्व शिक्षण संस्थान के रूप में संचालित होने वाले मदरसे के नाम होना अहम शर्त है। ऐसे में शेष 274 मदरसों को यदि अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान के तौर पर जूनियर हाईस्कूल व इंटर कालेज के रूप में संचालित करना है तो उन्हें मान्यता व संबद्धता के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज को आवेदन के साथ देना होगा। नई व्यवस्था के तहत अब सभी मदरसों को अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के पोर्टल पर आवेदन करते हुए अपनी भूमि, भवन और अन्य संपत्तियों का पूरा विवरण देना अनिवार्य है। बिना पंजीकरण के कोई भी मदरसा प्राधिकरण का हिस्सा नहीं माना जाएगा। पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान यह भी स्पष्ट हो सकेगा कि संबंधित मदरसों के पास भूमि का वैध स्वामित्व है या नहीं। सरकार ने एक जुलाई 2026 से उत्तराखंड मदरसा बोर्ड को समाप्त कर उसके सभी अधिकार और दायित्व उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण में निहित किए हैं।

## कोर्ट की अवमानना का आरोप, रिलीज नहीं किया ई–रिक्शा

काशीपुर। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के बावजूद संभागीय उप परिवहन अधिकारी की ओर से सीज किए गए ई–रिक्शा को रिलीज न करने का मामला सामने आया है। वाहन स्वामी ने एआरटीओ पर न्यायालय की अवमानना का आरोप लगाते हुए ई–रिक्शा सुपुर्दगी में दिलाए जाने की गुहार लगाई है। तीन मार्च 2026 को एआरटीओ ने चेकिंग के दौरान मोहल्ला गंज निवासी मोहम्मद इकबाल के ई–रिक्शा (यूके 18 ईआर 3680) को सीज किया था। ई–रिक्शा स्वामी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से वाहन को रिलीज कराने के लिए न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। एसीजेएम सचिन कुमार ने 15 मई 2026 को आदेश पारित कर ई–रिक्शा को स्वामी मोहम्मद इकबाल के पक्ष में अवमुक्त करने का निर्देश दिया। आदेश की प्रति लेकर वह 16 मई को एआरटीओ कार्यालय पहुंचे तो कर्मचारियों ने ई–रिक्शा को रिलीज नहीं किया। इकबाल ने 13 जून 2026 को न्यायालय में प्रार्थनापत्र देकर एआरटीओ पर कोर्ट के आदेश की अवमानना का आरोप लगाया। कोर्ट ने इस मामले में एआरटीओ को नोटिस जारी किया है।

# सिद्धबली-सनेह मार्ग पर हाथियों की बढ़ी आवाजाही

कोटद्वार के सिद्धबली–सनेह मार्ग पर अपने शावक के साथ घूमता हाथी।

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः** सिद्धबली-सनेह मार्ग पर पिछले कई दिनों से हाथियों की लगातार आवाजाही बनी हुई है। आए दिन हाथी अपने शावक के साथ जंगल से निकलकर सिद्धबली मंदिर की पार्किंग तक पहुंच रहे हैं। शनिवार रात एक हाथी आबादी वाले क्षेत्र ग्रास्टनगंज में घुस गया, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। सिद्धबली–सनेह मार्ग का बड़ा हिस्सा जंगल से सटा होने के कारण यहां वन्यजीवों की गतिविधियां अक्सर देखने को मिलती हैं। पिछले एक सप्ताह से एक हाथी अपने बच्चे के साथ नियमित रूप से सिद्धबली मंदिर की पार्किंग तक पहुंच रहा था। हाथी और उसके शावक की चहलकदमी को कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन में भी कैद किया।

शनिवार देर रात हाथी अपने बच्चे के साथ जंगल से निकलकर सड़क पर पहुंचा, लेकिन इस बार वह मंदिर की पार्किंग की ओर जाने के बजाय सीधे ग्रास्टनगंज क्षेत्र में प्रवेश कर गया। देर रात तक हाथी कॉलोनी की सड़कों पर घूमता रहा। इसी दौरान एक मकान का मुख्य गेट खुला होने पर हाथी परिसर के भीतर घुस गया। घर में मौजूद लोगों ने छत पर चढ़कर शोर मचाया, जिसके बाद हाथी वहां से वापस जंगल की ओर लौट गया। लगातार आबादी तक हाथियों के पहुंचने से स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। लोगों का कहना है कि रात के समय हाथियों की मौजूदगी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। उन्होंने वन विभाग से क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने और हाथियों को आबादी में आने से रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

### कालागढ़ में हाथी मचा रहे उत्पात

कालागढ़ की रामगंगा बांध परियोजना की आवासीय कॉलोनियों में हाथियों के उत्पात मचाने से कर्मचारियों के जीवन पर संकट मंडराने लगा है। सिंचाई विभाग की ओर से कार्बेट टाइगर रिजर्व के अधिकारियों से सुरक्षा इंतजाम के लिए कहा गया है। रामगंगा बांध परियोजना की आवासीय कालोनियों में कार्बेट टाइगर रिजर्व के हाथियों के उत्पात से परेशान सिंचाई विभाग के कर्मचारियों के जीवन पर संकट नजर आने लगा है। इससे पहले कि कोई अनहोनी हो, शिविर प्रबंध खंड के अधिशासी अभियंता बृजेश कुमार ने कार्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक को पत्र लिखकर कहा है कि बांध परियोजना की आवासीय कालोनी के दक्षिणी इलाके में हाथी व बाघ लगातार आ रहे हैं। जलविद्युत उत्पादन निगम के कार्यालय परिसर की तारबाड़ तोड़कर हाथी सिंचाई विभाग के आवासीय क्षेत्र में आ रहे हैं। अधिशासी अभियंता ने कहा कि हाथियों को उत्तरी इलाके के वनों में ही रोकने के पुख्ता इंतजाम किए जाने चाहिए।

# पहली ही बारिश में उफान पर आया पनियाली गदेरा, आर्मी कैंप को जोड़ने वाला अस्थायी मार्ग बहा

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वारः कोटद्वार और आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में रविवार सुबह हुई तेज बारिश के बाद पनियाली गदेरा उफान पर आ गया। गदेरे के तेज बहाव में कौड़िया से विक्टोरिया क्रॉस स्थित गब्बर सिंह सेना कैंप को जोड़ने वाला अस्थायी मार्ग बह गया, जिससे एक बार फिर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। वहीं, कौड़िया क्षेत्र में गदेरे के तेज बहाव से कई स्थानों पर भू-कटाव भी देखने को मिला।

वर्ष 2023 में बरसात के दौरान पनियाली गदेरे पर बना स्थायी पुल ढह गया था। इसके बाद सेना के वाहनों, रसद सामग्री और अन्य आवश्यक आपूर्ति को सेना कैंप तक पहुंचाने के लिए गदेरे पर अस्थायी मार्ग तैयार किया गया था। लेकिन इस बार मानसून की पहली ही तेज बारिश में यह अस्थायी व्यवस्था भी बह गई, जिससे सेना और स्थानीय लोगों के सामने फिर से आवागमन की समस्या खड़ी हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे लंबे समय से इस स्थान पर स्थायी पुल निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उनका कहना है कि हर वर्ष अस्थायी मार्ग बनाया जाता है और हर बरसात में वह गदेरे के तेज बहाव की भेंट चढ़ जाता है।

कोटद्वार में पनियाली गदेरे के तेज बहाव में बहा कौड़िया- गब्बर सिंह सेना कैंप को जोड़ने वाला अस्थायी मार्ग

### ड्रेनेज सिस्टम की खुली पोल

बारिश ने नगर निगम के ड्रेनेज सिस्टम की तैयारियों की पोल खोल दी। रविवार सुबह हुई तेज बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। नहरों के ओवरफ्लो होने से सड़कें तालाब में तब्दील हो गई जबकि शिब्बूनगर समेत कई कॉलोनियों में बारिश का पानी लोगों के घरों में भर गया। दो दिनों की उमस और भीषण गर्मी के बाद रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे शुरू हुई तेज बारिश ने मौसम तो सुहावना कर दिया लेकिन शहर की जलनिकासी व्यवस्था की कमजोरियां भी उजागर कर दीं। घराट नहर का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर फैल गया। सड़क पर जलभराव होने से पैदल राहगीरों और वाहन चालकों की आवाजाही प्रभावित रही। कई दुकानों और मकानों में भी बरसाती पानी घुसने से लोगों को नुकसान उठाना पड़ा।

## संपादकीय

# विश्वास पर अविश्वास: बड़ी चुनौती

कुछ ऐसी घटनाएं पिछले दिनभा हमारे सामने आई है जिसने दो नई जिंदगियां शुरू करने के सपने के विश्वास पर सवाल खड़े कर दिए। हमारे देश में विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन माना जाता है। सदियों से यह संबंध विश्वास, त्याग, प्रेम और जिम्मेदारी की नींव पर खड़ा रहा है। किंतु हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से सामने आई कुछ घटनाओं ने इस पवित्र रिश्ते पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं। नई–नई शादियों के बाद पति या पत्नी द्वारा अपने जीवनसाथी के साथ धोखाधड़ी, षड्यंत्र अथवा हत्या जैसे अपराधों की खबरें समाज को स्तब्ध कर रही हैं। ऐसी घटनाएँ संख्या में भले ही कम हों, लेकिन उनका सामाजिक प्रभाव अत्यंत व्यापक होता है। चिंता इस बात की है कि जिन दो लोगों को जीवन भर एक–दूसरे का सहारा बनना था, उन्हीं के बीच अविश्वास, स्वार्थ और हिंसा की दीवार खड़ी हो रही है। कई मामलों में आर्थिक लाभ, संपत्ति का लालच, विवाहेतर संबंध, सामाजिक दबाव, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा या मानसिक असंतुलन जैसी परिस्थितियाँ अपराध का कारण बनती हैं। कुछ मामलों में जल्दबाजी में हुए विवाह, एक–दूसरे को पर्याप्त रूप से न समझ पाना और संवाद की कमी भी रिश्तों को संकट की ओर धकेल देती है। आधुनिक जीवनशैली ने लोगों को अनेक अवसर दिए हैं, लेकिन इसके साथ चुनौतियाँ भी बढ़ी हैं। सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में लोग अक्सर अपने वास्तविक जीवन की समस्याओं से दूर भागने का प्रयास करते हैं। कभी–कभी यही प्रवृत्ति रिश्तों में असंतोष और भ्रम को जन्म देती है। जब समस्याओं का समाधान बातचीत और समझदारी से नहीं खोजा जाता, तब कुछ लोग गलत और आपराधिक रास्ता चुन लेते हैं। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी एक लिंग या वर्ग को इन घटनाओं के आधार पर दोषी न ठहराया जाए। अपराधी का मूल्यांकन उसके कर्मों से होना चाहिए, न कि उसके स्त्री या पुरुष होने से। समाज में ऐसे असंख्य परिवार हैं जहाँ पति–पत्नी परस्पर सम्मान, सहयोग और विश्वास के साथ जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इसलिए कुछ अपराधों के आधार पर पूरे समाज या किसी एक वर्ग की छवि बनाना उचित नहीं होगा। सबक लें होगा कि विवाह केवल सामाजिक रस्म नहीं, बल्कि एक गंभीर जिम्मेदारी है। परिवारों को विवाह से पहले पारदर्शिता, आपसी समझ और मानसिक अनुकूलता पर अधिक ध्यान देना चाहिए। साथ ही, वैवाहिक विवादों के समाधान के लिए परामर्श सेवाओं, कानूनी सहायता और पारिवारिक संवाद को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विश्वास किसी भी रिश्ते की सबसे बड़ी पूंजी होता है। जब यही विश्वास टूटता है, तो केवल एक परिवार नहीं, बल्कि समाज का नैतिक ताना–बाना भी प्रभावित होता है। इसलिए आवश्यक है कि हम रिश्तों में ईमानदारी, संवाद और संवेदनशीलता को बढ़ावा दें। एक स्वस्थ समाज की नींव स्वस्थ परिवारों पर टिकी होती है, और स्वस्थ परिवारों की नींव विश्वास पर। यदि इस विश्वास को बनाकर नहीं रखा गया तो आधुनिकता की चमक के बीच रिश्तों का वास्तविक मूल्य का पतन भी निश्चित है।

## चिंतन-मनन

### सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

# श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने जीवन और बलिदान से देश को दिए प्राण

हेमेन्द्र क्षीरसागर

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ऐसे महान देशभक्त थे जिन्होंने राष्ट्र के चरमोत्कर्ष, एकता और अखण्डता की यज्ञवेदी पर अपना प्राणोत्सर्ग कर दिया। वह एक साथ ही शि?क्षाविद्, लेखक, सासंद, राजनीतिज्ञ और मानवतावादी कट्टर देशभक्त थे। इन्होंने विद्याध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की और शीघ्र ही एक प्रख्यात शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में प्रतिष्ठित हो गए। उनकी इस उपलब्धि को मान्यता उस समय प्राप्त हुई जब 1934 में कलकत्ता विश्विद्यालय के कुलपति नियुक्त होने वालों में वह सबसे कम आयु के थे। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी स्वतंत्र भारत के निमार्ताओं में से थे।

राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रबल समर्थक डां श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था। वे उन नेताओं में से थे, जो खुद आगे आकर जोखिम झेलते हैं। उनके लिए भारत प्रथम था और भारत की अखण्डता और वैभव ही प्रमुख लक्ष्य। जान दे दी, पर कश्मीर जाने नहीं दिया। मंत्रीमंडल को ठोकर मार दी, लेकिन सिद्धातों से समझौता नहीं किया। हॉ, मैं हिन्दू हूँ इस देश का राष्ट्रत्व हिन्दू हैं। यह अटल सत्य हैं, पर इसका अर्थ यह नहीं कि हिन्दू किसी दूसरे मजहब या उपासना पद्धति के विरूद्ध हैं। ऐसा होता तो इतिहास ही कुछ और होता। कश्मीर हर हिन्दुस्तानी का हैं। हर दिल में कश्मीर के लिए दर्द उठना चाहिए जो हनीफुद्दीन और अजय आहूजा के दिलों में उठा।

डॉ. मुखर्जी ने अपने जीवन और अपने बलिदान, दोनों से ही इस देश को प्राण दिए। उनके लिए भारतीय होने का अर्थ राजनीति के कपट जाल में फॅसना नहीं, वरन् उस कपट जाल को तोडना था। बहुत कम लोगों को यह जानकारी होगी कि आज जो पंजाब और बंगाल का हिस्सा भारत में दिखता हैं, उसके पीछे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखजी का जुझारूपन और आंदोलन मुख्य कारण रहे हैं। डॉ. मुखर्जी के वह शब्द इतिहास में प्रसिद्ध हैं, जब उन्होंने कहा था, 'कांग्रेस ने हिन्दुस्तान का बॅटवारा किया और मैंने पाकिस्तान का।' इस देश का दुर्भाग्य रहा कि स्वतंत्र, किन्तु खंडित भारत की कमान उस व्यक्ति के हाथों में सौंपी गई, जिसे भारतीयता किवां हिन्दुत्व से चिढ थी और स्वयं को देश का अंतिम ब्रिटिश शासक कहलाने में गर्व का अनुभव करता था।

श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने देखा कि विभाजन की भीषण त्रासदी झेलकर जो हिन्दु भारत पहुॅच रहे हैं और जो पाकिस्तान में रह गए हैं, उनके प्रति पंडित नेहरू बेहद उपेक्षपूर्ण और बहुत हदतक निर्मम नीति अपना रहे हैं। इस बिन्दु पर सरदार पटेल और पं. नेहरू में गम्भीर मतभेद पैदा हो गए थे। सरदार पटेल तो यहॉ तक चाहते थे कि पूर्वी पाकिस्तान से कुछ जमीन ले लेनी चाहिए। भले ही इसके लिए सशस्त्र पुलिस कार्यवाही ही क्यों न करनी पडे पं. नेहरू ने लियाकत अली से समझौताकर हिन्दुओं के भविष्य को पूरी तरह पाकिस्तानी दरिन्दों के हाथों में छोड दिया। यह देखकर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आगबबूला हो उठे और उन्होंने उद्योग तथा आपूर्ति मंत्री के पद से त्यागपत्र दे दिया। अपना त्यागपत्र देते समय उन्होंने इसके पीछे के कारणों का विस्तार से उल्लेख किया जो आज भी ऐतिहासिक तथा प्रेरणप्रद एक दस्तावेज के रूप में माना जाता हैं।

संकल्पित, मंत्रीमण्डल से त्यागपत्र देने के बाद डॉ. मुखर्जी ने संसद में प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने का निश्चय किया। लेकिन वह जल्दी ही समझ गए कि प्रतिपक्ष की प्रभावी भूमिका निभाने के लिए संगठित पार्टी बनाना जरूरी हैं। इसी उद्देश्य से वह प्रतिपक्ष के राजनीतिक मंच के गठन की संभावनाओं को तलाशने की ओर अग्रसर हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी किसी सशक्त व्यक्तित्व के नेतृत्व में राजनीतिक दल प्रारंभ किए जाने की जरूरत महसूस कर रहा था। डॉ. मुखर्जी और स्वयंसेवक संघ दोनों ही जिस बात की आवश्यकता अनुभव कर रहे थे। वह समान थी और इसी में से अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ का उद्भव हुआ जिसके संस्थापक अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे।

डॉ. मुखर्जी को अपने जीवन में बडी चुनौती का समना दो वर्ष बाद 1953 में करना पडा। जम्मू और कश्मीर में शेख अब्दुल्ला की पृथकतावादी राजनीतिक गतिविधियों से उभरी अलगाववादी प्रवृत्तियां 1952 तक बल पकडने लगी थीं, जिससे राष्ट्रीय मानस विक्षुब्ध हो उठा। डॉ. मुखर्जी ने प्रजा परिषद् के सत्याग्रह को पूर्ण दिया जिसका उद्देष्य जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना था। उस समय जम्मू कश्मीर का अलग झण्डा था, अलग संविधान था और वहां का मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री कहलाता था।

डॉ. मुखर्जी ने जोरदार नारा बुलन्द किया थाः ' एक देश में दो निशान, एक देश में दो प्रधान, एक देश में दो विधान, नहीं चलेंगे, नहीं चलेंगे। अगस्त 1952 में जम्मू की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त कियाः या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊंगा या फिर उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना जीवन बलिदान कर दूंगा।' अपने संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने नई

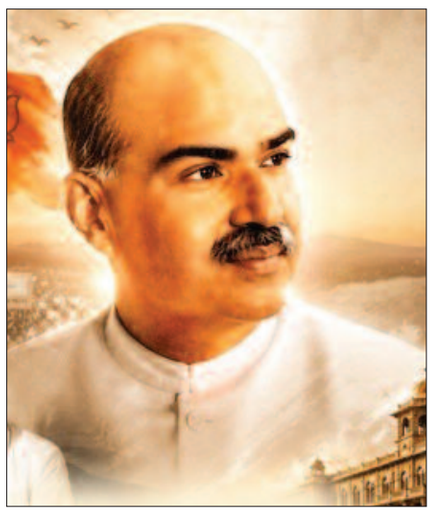

दिल्ली में नेहरू सरकार और श्रीनगर में शेख अब्दुला की सरकार को चुनौती देने का निश्चय किया और पं. नेहरू से कहा कि वे जम्मू जरूर जाएंगे और बिना 'परमिट' के जाएंगे।

बलिवेदी, 11 मई को रावी पर करते समय ही लखनपुर में डॉ. मुखर्जी को गिरफ्तार कर श्रीनगर जेल ले जाया गया। 40 दिन तक न उन्हें चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई और न अन्य बुनियादी सुविधाएं दी गई। भारत का यह शेर श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को चिरनिद्रा में सोया गया। श्रद्धांजलि स्वरूप नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 और 35 ए द्वारा दिए गए विशेष दर्जे को हटाने के लिए संसद ने 5 अगस्त, 2019 को मंजूरी दी। यह ऐतिहासिक भूल को ठीक करने वाला ऐतिहासिक कदम था।

# अगले जनम मोहे बिटिया ना कीजो

मेलोडियस पीहू

बेटी होना केवल एक रिश्ता नहीं, बल्कि ईश्वर का सबसे सुंदर विश्वास है। एक बेटी अपने माता-पिता की उम्मीद होती है, उनके संघर्षों का परिणाम होती है, उनके सपनों की उड़ान होती है। माँ अपनी ममता और पिता अपनी पूरी ज़िंदगी लगा देते हैं ताकि उनकी बेटी या बेटा एक अच्छा इंसान बन सके।

लेकिन आज जब आए दिन ऐसी खबरें सामने आती हैं कि कहीं पत्नी ने पति की हत्या कर दी, कहीं पति ने पत्नी की हत्या कर दी, कहीं माँ अपने बच्चों को छोड़कर चली गई, कहीं पिता ने परिवार उजाड़ दिया, कहीं सास और दामाद के रिश्ते जैसी शर्मनाक घटनाएँ सामने आ रही हैं, तो मन एक ही सवाल पूछता है– आखिर हमारे समाज को हो क्या गया है?

हाल के कुछ चर्चित मामलों–जैसे राजा रघुवंशी हत्याकांड, सोनम रघुवंशी, सिया गोयल, मुस्कान और अन्य मामलों ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यदि किसी मामले में आरोप सिद्ध होते हैं, तो वह अपराध किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हो सकता। लेकिन साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि किसी एक व्यक्ति के अपराध के आधार पर पूरी बेटी जाति या पूरे महिला समाज को कटघरे में खड़ा न किया जाए। अपराधी, अपराधी होता है–चाहे वह पुरुष हो या महिला।

लेकिन एक बेटी होने के नाते मैं हर बेटी से कुछ कहना चाहती हूँ...

बहन, अगर तुम्हें किसी लड़के से शादी नहीं करनी है, तो साफ मना कर दो।

अगर परिवार तुम्हारी बात नहीं सुन रहा, तो उस लड़के को सच बता दो। उसके परिवार को बता दो। किसी भरोसेमंद रिश्तेदार, दोस्त, शिक्षक या किसी बड़े की मदद ले लो। अपनी आवाज उठाओ। कानून का सहारा लो। घर छोड़ दो, लेकिन किसी की जान मत लो।

याद रखो...

टूटा हुआ रिश्ता फिर भी जीवन जीने देता है, लेकिन छीनी हुई ज़िंदगी कभी वापस नहीं आती।

जिस लड़के को तुम मारती हो, उसके साथ केवल एक इंसान नहीं मरता। उसके माता-पिता के सारे सपने मर जाते हैं। उसकी माँ की गोद हमेशा के लिए सूनी हो जाती है। उसके पिता की बुढ़ापे की लाठी टूट जाती है। उसकी बहन की राखी अधूरी रह जाती है। उसके बच्चों का भविष्य उजड़ जाता है। एक हत्या केवल एक शरीर नहीं मारती, कई ज़िंदगियाँ बर्बाद कर देती है।

और यही बात लड़कों पर भी लागू होती है।

अगर कोई लड़की तुम्हें पसंद नहीं करती, अगर रिश्ता नहीं निभाना चाहती, तो उसे सम्मान के साथ जाने दो। तेजाब फेंकना, हत्या करना, प्रताड़ित करना या बदला लेना कभी मर्दानगी नहीं हो सकती।

आज सोशल मीडिया ने भी हमारे समाज को बहुत प्रभावित किया है। दिखावे की दुनिया में लोग रिश्तों को भी एक वस्तु की तरह देखने लगे हैं। कुछ लोग कुछ लाइक्स, कुछ फॉलोअर्स, कुछ पैसों या कुछ पलों के आकर्षण के लिए अपने पूरे परिवार को दाँव पर लगा देते हैं। चार-चार, पाँच-पाँच बच्चों को छोड़कर चले जाना, विश्वास तोड़ देना, विवाह जैसे पवित्र बंधन का मजाक बना देना–क्या यही आधुनिकता है?

नहीं।

और मेरी हर बेटी से हाथ जोड़कर एक आखिरी विनती...

हमें बेटी होने पर लोगों को गर्व करने का अवसर दीजिए, शर्मिंदा होने का नहीं।

आपकी सबसे बड़ी पहचान आपका चेहरा नहीं, आपका चरित्र है।

आपकी सबसे बड़ी सुंदरता आपका श्रृंगार नहीं, आपके संस्कार हैं।

आपकी सबसे बड़ी ताकत आपकी आवाज नहीं, आपका विवेक, आपका धैर्य और आपकी इंसानियत है।

याद रखिए–

'आधुनिक बनिए, लेकिन अपने संस्कार कभी मत छोड़िए।'

'अगर शादी नहीं करनी, तो सम्मान के साथ 'ना' कह दीजिए; लेकिन किसी की जान लेने का अधिकार इस दुनिया में किसी को नहीं मिला।'

'रिश्ता निभा सकें तो पूरे सम्मान से निभाइए, और अगर निभा न सकें तो पूरे सम्मान के साथ अलग हो जाइए।'

'माँ-बाप अपने बच्चों को बड़ी उम्मीदों और अनगिनत त्याग के साथ पालते हैं। किसी का बेटा हो या बेटी, उनकी हत्या केवल एक इंसान की नहीं, बल्कि पूरे परिवार के सपनों की हत्या होती है।'

आइए, ऐसा समाज बनाएँ जहाँ बेटियाँ भी सुरक्षित हों, बेटे भी सुरक्षित हों; जहाँ प्रेम में विश्वास हो, रिश्तों में सम्मान हो और इंसानियत सबसे ऊपर हो।

क्योंकि अंत में इंसान की पहचान उसके रूप, धन, प्रसिद्धि या आधुनिकता से नहीं, बल्कि उसके चरित्र, उसके संस्कार और उसके कर्मों से होती है। यही हमारी असली पहचान है, यही भारत की पहचान है।

# क्या नितिन गडकरी की ई20 नीति की वजह से खराब हो रही हैं गाड़ियां?

नीरज कुमार दुबे

**हम आपको बता दें कि ई20 यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ताजा मामले में बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप ने अपनी टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस में आई खराबी का आरोप सीधे ई20 पेट्रोल और सरकार की नीति पर लगाया है।**

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी पर इन दिनों चौतरफा हमले हो रहे हैं। कभी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में ई20 पेट्रोल को वाहनों की खराबी का कारण बताया जा रहा है, तो कभी सड़कों पर उतरने की चेतावनी देकर केंद्र सरकार की एथनॉल नीति के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, जो लंबे समय से एथनॉल मिश्रित ईंधन को भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम बताते रहे हैं, अब उसी नीति को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में हैं।

हम आपको बता दें कि ई20 यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ताजा मामले में बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप ने अपनी टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस में आई खराबी का आरोप सीधे ई20 पेट्रोल और सरकार की नीति पर लगाया है। मनीष का दावा है कि उनकी दो महीने पुरानी और लगभग 12 हजार किलोमीटर चली गाड़ी का इंजन अचानक खराब हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि फ्यूल टैंक से निकाले गए पेट्रोल में 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल और अशुद्धियां मिलीं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वह काफी भावुक नजर आए और बोले कि लाखों रुपये खर्च कर खरीदी गई गाड़ी इतनी जल्दी खराब हो जाना गंभीर चिंता का विषय है।

देखा जाये तो मनीष कश्यप अकेले नहीं हैं। देशभर में हजारों वाहन मालिक माइलेज घटने, इंजन परफॉर्मेंस कम होने और वाहनों में तकनीकी समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं। कई वीडियो में गुलाबी रंग का पेट्रोल, टंकी में पानी जैसी परत और अन्य अशुद्धियां दिखाकर दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल में एथनॉल की मात्रा तय सीमा से अधिक है। हालांकि सरकार और पेट्रोलियम मंत्रालय इन दावों को खारिज कर रहे हैं।

इस विवाद ने अब राजनीतिक और सामाजिक रूप भी ले लिया है। राजनीतिक विश्लेषक तहसीन पूनावाला ने दिल्ली के जंतर मंतर पर ई20 नीति के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है। 'टीम भारत अगेंस्ट द एथनॉल स्कैम' के बैनर तले प्रस्तावित इस प्रदर्शन को एथनॉल नीति के खिलाफ पहला बड़ा सार्वजनिक आंदोलन बताया जा रहा है। पूनावाला का

कहना है कि लोग एथनॉल नीति के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि इसकी जल्दबाजी में की गई क्रियान्वयन प्रक्रिया और उपभोक्ताओं को विकल्प न दिए जाने का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली तो कुछ लोग नितिन गडकरी के आवास के बाहर धरने पर बैठ सकते हैं।

देखा जाये तो विवाद केवल वाहन खराबी तक सीमित नहीं है। एक उद्योगपति ने भी सरकार की ई20 नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई का हवाला देते हुए कहा कि सरकार जनता के सामने इस योजना को पूरी तरह सफल बता रही है, लेकिन अदालत में इसे अभी भी 'चल रहा प्रयोग' बताया गया। हालांकि बाद में अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने इस दावे को गलत बताया। वहीं उक्त उद्योगपति का कहना है कि असली चिंता उन उद्योगों और निवेशकों की है जिन्होंने सरकार की नीति पर भरोसा करके एथनॉल संयंत्रों में अरबों रुपये का निवेश किया। यदि एथनॉल की खरीद और मांग ही निश्चित नहीं है, तो निवेशकों को किस भरोसे निवेश के लिए प्रेरित किया गया।

हम आपको बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय में यह मामला भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश से जुड़ा था, जिसमें एथनॉल आवंटन प्रक्रिया को दोबारा खोलने की बात कही गई थी। इस सुनवाई के दौरान यह भी सवाल उठा कि सरकार द्वारा एथनॉल खरीद की बाध्यता वास्तव में कितनी मजबूत है। आलोचकों का कहना है कि यदि खरीद केवल 'सर्वश्रेष्ठ प्रयास' के आधार पर होगी तो उद्योगों की वित्तीय स्थिरता पर खतरा पैदा हो सकता है।

सोशल मीडिया पर कई लोगों ने एथनॉल नीति के आर्थिक और कृषि प्रभावों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि ई20 कार्यक्रम भारत को विदेशी मक्के और उससे बने उत्पादों पर अधिक निर्भर बना सकता है। सोशल मीडिया यूजर्स ने यह भी आरोप लगाया है कि यह नीति अब किसान केंद्रित कम और आयात आधारित ढांचे जैसी अधिक दिखाई देने लगी है। उन्होंने सरकार से ई20 की अनिवार्यता पर पुनर्विचार कर ई5 या ई10 जैसे विकल्प फिर से उपलब्ध कराने की मांग की है।

वहीं देशी और विदेशी वाहन निमार्ता कंपनियों ने ई20 पेट्रोल को लेकर मिश्रित लेकिन संतुलित रुख अपनाया है। मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, महिंद्रा, टोयोटा, होंडा और किआ जैसी कंपनियों ने कहा है कि अप्रैल 2023 के बाद बने अधिकांश नए वाहन ई20 अनुकूल बनाए जा चुके हैं और उनमें इस ईंधन के इस्तेमाल से कोई बड़ा सुरक्षा खतरा नहीं है। वाहन उद्योग संगठन सियाम ने भी माना है कि ई20 से माइलेज में लगभग 2 से 4 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है, लेकिन इससे स्थायी इंजन क्षति का कोई प्रमाण नहीं मिला है। वहीं महिंद्रा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्वीकार किया कि ई20 सुरक्षित तो है, लेकिन इससे परफॉर्मेंस और माइलेज पर असर पड़ सकता है। टोयोटा सहित कई कंपनियों ने अपने नए पेट्रोल मॉडलों को ई20 अनुकूल घोषित किया है, जबकि कुछ विशेषज्ञों और कंपनियों ने पुराने वाहनों में सावधानी बरतने की सलाह दी है।

दूसरी ओर केंद्र सरकार लगातार इस योजना का बचाव कर रही है। सरकार का दावा है कि भारत ने निर्धारित समय से पहले दिसंबर 2025 में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार इस कार्यक्रम से देश को 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा बचत हुई, किसानों को 1.60 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान हुआ और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में भारी कमी आई। सरकार का कहना है कि इससे 310 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल का विकल्प तैयार हुआ। सरकार का यह भी कहना है कि वाहन कंपनियों और सियाम के साथ व्यापक चर्चा के बाद ही ई20 लागू किया गया और कई निमार्ता वर्ष 2009 से ही ई20 अनुकूल इंजन विकसित कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी माइलेज घटने के दावों को मामूली बताया है। उनका कहना है कि एथनॉल मिश्रित ईंधन से इंजन की नॉकिंग कम होती है और वाहन की गति क्षमता बेहतर होती है। वहीं नितिन गडकरी ने एथनॉल विरोधी प्रचार को 'पेड कैंपेन' करार दिया है। उनका आरोप है कि पेट्रोलियम लॉबी भारत की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होने से परेशान है और इसलिए दुष्प्रचार कर रही है। गडकरी ने यह चुनौती भी दी कि दुनिया में कोई एक उदाहरण दिखाया जाए जहां ई20 पेट्रोल से वाहन स्थायी रूप से खराब हुए हों।

बहरहाल, फिलहाल एथनॉल मिश्रित पेट्रोल पर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा। एक ओर सरकार इसे किसानों, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के लिए क्रांतिकारी कदम बता रही है, तो दूसरी ओर उपभोक्ता, वाहन मालिक और कुछ उद्योग विशेषज्ञ इसके प्रभावों को लेकर गंभीर चिंता जता रहे हैं। आने वाले समय में यह बहस केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सड़कों, अदालतों और राजनीतिक मंचों तक और तेज होती दिखाई दे सकती है।

## संक्षिप्त समाचार

### लोहा स्त्रैम्र के साथ कॉपर मोटर उठाने से गुस्साए श्रमिकों ने दिया धरना

बाजपुर। चीनी मिल से स्त्रैम्र में लोहे के अलावा कॉपर सहित अन्य वस्तुओं को उठाने से नाराज श्रमिकों ने मिल गेट पर प्रदर्शन कर धरना दिया। श्रमिकों ने बताया हिक बाजपुर चीनी मिल में स्त्रैम्र के दौरान ठेकेदार की ओर से मिल परिसर में रखा अन्य सामान भी उठा दिया गया। इससे चीनी मिल को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

श्रमिकों ने लोहे के स्त्रैम्र के अलावा अन्य वस्तुओं को उठाने पर तत्काल रोक लगाने और संबंधित आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। धरना स्थल पर पहुंचे भाकियू नेता विजेंद्र डोगरा ने कहा कि मिल में स्त्रैम्र के साथ मंहगी मोटर को नहीं बेचा जा सकता है। मोटर की नीलामी अलग से होनी चाहिए। श्रमिकों के आंदोलन का किसान पूरा समर्थन करेगे। पांच घंटे तक श्रमिक धरने पर डटे रहे। इस मौके पर वासवान्द जोशी, अमर, सुनिल कुमार, धीरज, गुलाम मुस्तफा, जैकब, निरंजन, श्याम, कालीसेवक, भोजराज आदि मौजूद थे।

### सीएम धामी के पांच साल का कार्यकाल पूरा होने पर सुंदरकांड

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के पांच वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्य चौराहा स्थित शनिदेव मंदिर में सुंदरकांड किया। लोगों को चना, हलवा और प्रसाद भी वितरित किया गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में प्रदेश लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

वहां पर जिपं अध्यक्ष अजय मौर्य, दायित्वधारी मोहिनी पोखरिया, किशन सिंह किन्ना, रंजीत नामधारी, गंभीर धामी, डॉ. विनीता सक्सेना, नवीन बोरा, विवेक रस्तोगी, गुड्डू टम्टा, अमित पांडेय, सतीश गोयल, नंदन खड़ायत, रोहित जोशी आदि थे।

### सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हिमांशु पंवार का निधन

कर्णप्रयाग। गैरसैंण डांगतोली के 26 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हिमांशु पंवार का हृदयघात से निधन हो गया। रविवार को रामगंगा नदी के तट पर उनकी अंत्येष्टि की गई जिसमें बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। उनके घर में 12 दिन पहले ही बेटी का जन्म हुआ था, जिससे खुशी का माहौल गम में बदल गया। बेटी का नामकरण सात जुलाई को होना तय था। नगर पंचायत अध्यक्ष मोहन भंडारी ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। भंडारी ने कहा कि हिमांशु अपने चैनल के माध्यम से क्षेत्र की समस्याओं को उठाते थे।

सुबेर संस्था के संस्थापक नवीन प्रकाश ने बताया कि हिमांशु संस्था के साथ मिलकर अनाथ बच्चों की पढ़ाई में मदद करते थे। उनके अचानक चले जाने से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। रविवार को हिमांशु की अंत्येष्टि में स्थानीय लोगों के अलावा गौचर, कर्णप्रयाग, आदिबदरी, लंगासू आदि क्षेत्रों से लोगों ने पहुंचकर संवेदना जताई।

**हृदयघात के लक्षण और बचाव**

उपजिलाचिकित्सालय के फिजिशियन सतेंद्र कंडारी ने हृदयघात के संकेतों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल का दौरा पड़ने से पहले सीने में ऐंठन पड़ सकती है। सांस फूलना और हाथ में दर्द भी इसके लक्षण हैं। कई बार छाती पर भारीपन महसूस होता है। शरीर में बहुत पसीना आना भी एक संकेत है। कंडारी ने सलाह दी कि ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक को दिखाना चाहिए।

### तीन अगस्त को होगी देवधूरा मंदिर की कांवड़ यात्रा

नारायणबगड़। श्री मृत्युंजय महादेव मंदिर समिति की देवधूरा मंदिर परिसर में बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी श्रावण माह में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा की तैयारियों पर विचार विमर्श किया गया। निर्णय लिया गया कि तीन अगस्त को कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। रविवार को समिति के अध्यक्ष बृजभूषण बुटोला की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि इस बार श्रावण माह के तृतीय सोमवार तीन अगस्त को धार्मिक कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में कांवड़ यात्रा समिति का गठन करते हुए सुदर्शन कनेरी को अध्यक्ष, विपिन परिहार उपाध्यक्ष, देवेंद्र बुटोला सचिव, सुरेंद्र सिंह नेगी कोषाध्यक्ष तथा राजेंद्र पंवार को व्यवस्थापक मनोनीत किया गया। निर्णय लिया कि तीन अगस्त सुबह श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद यात्रा मृत्युंजय महादेव मंदिर देवधूरा पहुंचेगी। जहां पर महादेव का पंचद्रव्यों से महाभिषेक किया जाएगा। बैठक में आचार्य मोहन प्रसाद शास्त्री, बुद्धि सिंह दानू, दयाल सिंह तड़ाकी, इंद्र सिंह पैलू आदि मौजूद थे।

### कार्तिक तिवारी की हस्तखित काव्य पुस्तिका का किया विमोचन

गोपेश्वर। बाल कवि कार्तिक तिवारी पहाड़ी की हस्तलिखित गढ़वाली काव्य संग्रह ब्वाल विचार (कोमल विचार) पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में 40 से अधिक गढ़वाली कविताओं को शामिल किया गया है। सरस्वती विद्या मंदिर गोपेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य हिम्मत सिंह चौहान व सामाजिक कार्यकर्ता चंडी प्रसाद तिवारी ने पुस्तिका का विमोचन संयुक्त रूप से किया।उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में अधिकांश लेखन कंप्यूटर से हो रहा है, डिजिटल किताबें निकल रही हैं, ऐसे में बाल कवि कार्तिक तिवारी ने हाथ से लिखकर पुस्तक तैयार कर मातृभाषा के प्रति अपने समर्पण को दिखाया है। 14 साल की उम्र में गढ़वाली भाषा और लोक संस्कृति को हस्तलिखित पुस्तक के रूप में सहेजना सराहनीय व अनुकरणीय कार्य है।

### दूषित पानी की आपूर्ति पर नागरिक मंच ने जताया आक्रोश

नई टिहरी। नागरिक मंच ने नगर में दूषित पेयजल आपूर्ति होने पर कड़ा आक्रोश जताया है। कहा कि जल संस्थान टिहरी बांध की झील का दूषित पानी पिलाकर लोगों के स्वास्थ्य के खिलवाड़ कर रहा है।

नागरिक मंच की बैठक सामुदायिक मिलन केंद्र बौराड़ी में मंच के अध्यक्ष सुंदरलाल उनियाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि सीएम घोषणा के बाद भी जल संस्थान नगर वासियों के लिए शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु रीह-घुत्तु ग्रेविटी योजना के निर्माण के लिए प्रयास नहीं कर रहा है।

झील के पानी के साथ नियमित मिट्टी आ रही है। उन्होंने जिला अस्पताल में डायलिसिस की सुविधा शुरू करने, नई टिहरी वासियों के भूमि भू-अभिलेख को अलग-अगल कर पृथक खाता बनाए जाने की मांग की। नगर क्षेत्र में लगाए जा रहे बिजली के स्मार्ट मीटरों पर विरोध जताया है। कुलदीप पंवार ने बौराड़ी स्टेडियम में बैडमिंटन हॉल का निर्माण किए जाने से स्टेडियम की लंबाई और चौड़ाई घटने की बात कही।

## स्यानाचट्टी में मंडराने लगा आपदा का संकट

# बारिश के कारण नीचे से उफना रही यमुना, दोनों ओर खड्डों से भी खतरा

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम के प्रमुख पड़ाव स्यानाचट्टी पर एक बार फिर आपदा का खतरा मंडराने लगा है। नीचे से लगातार बारिश से उफनाती यमुना नदी का बढ़ता जलस्तर, दोनों ओर बहने वाले खड्डों का खतरा बना हुआ है। इस बार पीछे की पहाड़ी से हो रहा भूस्खलन स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा रहा है।

लोगों का आरोप है कि एक वर्ष बाद भी सरकार और प्रशासन स्थायी बाढ़ सुरक्षा और नदी की निर्बाध निकासी सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं जिससे स्यानाचट्टी एक बार फिर बड़े खतरे के मुहाने पर खड़ा है। यमुनोत्री क्षेत्र में शनिवार दोपहर बाद लगातार हुई बारिश से यमुना नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा।

लगातार हो रही बारिश के कारण स्यानाचट्टी के लोग भय और असमंजस के माहौल में हैं। कुपड़ा खड्ड और यमुना नदी के संगम स्थल पर अब भी भारी मात्रा में मलबा जमा होने से नदी का प्रवाह संकरा हो गया है। इसके चलते यमुना का पानी रुक-रुककर आगे बढ़ रहा है जिससे जलभराव की स्थिति बनने का खतरा बढ़ गया है। यही स्थिति वर्ष 2025 की भीषण आपदा के दौरान भी बनी थी। जब स्यानाचट्टी कस्बे का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आपदा के एक वर्ष बाद भी सरकारी तंत्र स्थायी समाधान निकालने में पूरी तरह विफल रहा है।

आपदा प्रभावित दिनेश राणा, शैलेन्द्र सिंह, जयपाल सिंह, चैन सिंह और बलदेव सिंह का कहना है कि आपदा राहत के नाम पर प्रभावितों के साथ केवल छलावा हुआ है। इधर, लगातार बारिश के चलते फूलचट्टी क्षेत्र और कुठार गांव के पास सड़क से बहकर आया मलबा, बड़े-बड़े पेड़ और अन्य अवशेष यमुना नदी के प्रवाह में बाधा बन रहे हैं।

### 29 लाभार्थियों को वितरित किए ऋण स्वीकृति पत्र

गदरपुर। नगरपालिका कार्यालय में पुष्कर सिंह धामी के सबसे अधिक समय तक सीएम बनने का रिकॉर्ड कायम करने पर कार्यक्रम हुआ। 29 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। पालिका सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष मनोज गुंबर ने की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को भी आर्थिक रूप से सशक्त और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में कार्य प्रगति पर है। कार्यक्रम में भाजपा नेता राजेश गुंबर मिन्नी, मंडल महामंत्री अनिल जेटली सहित सभासद परमजीत सिंह पम्मा, सचिन गुप्ता, मुकेश चावला, रजत कुमार, मोबिन सिद्दीकी, इदरीश पाशा, निर्मल नारंग आदि मौजूद रहे।

## आईडीपीएल मैदान में जश्न के बाद गंदगी

ऋषिकेश। सरकार के पांच साल पूरे होने पर आईडीपीएल मैदान में आयोजित कार्यक्रम के समापन के बाद रविवार को कार्यक्रम स्थल और आसपास कूड़ा फैल गया। मैदान में जगह-जगह खाने के अवशेष, पैकिंग सामग्री, पोस्टर और बैनरों के टुकड़े बिखरे दिखाई दिए, जिससे हर जगह गंदगी फैल गई। कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोग अपने साथ भोजन के पैकेट लेकर पहुंचे थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद लोगों ने पेड़ों की छांव में बैठकर भोजन किया। खाने के अवशेष व पैकिंग सामग्री वहीं छोड़कर अपने-अपने घर लौट गए। वहीं कार्यक्रम में पोस्टर-बैनर लगाने वाले कर्मचारियों ने भी बचे हुए फ्लेक्स, बांस की बल्ली और अन्य सामग्री मैदान

में ही छोड़ दी। जिससे सुबह पूरे परिसर की तस्वीर बिगड़ गई। सुबह मैदान में खेलने पहुंचे बच्चों और स्थानीय लोगों को फैली गंदगी के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। कार्यक्रम से पहले नगर निगम की टीम ने कई दिनों तक अभियान चलाकर आसपास के क्षेत्र की सफाई कर मैदान को व्यवस्थित किया था।

## मोरी के 65 गांवों में अब नहीं होगी बिजली की समस्या

उत्तरकाशी। मोरी ब्लॉक के दूरस्थ 65 गांवों की बिजली आपूर्ति को सुचारू करने के लिए नैटवाड़ में स्थित सब स्टेशन को दस वर्ष बाद दोबारा शुरू करने की कवायद शुरू कर दी गई है। विद्युत लोकपाल और उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच के निर्देश पर ऊर्जा निगम की ओर से वहां पर मशीनें पहुंचाकर उनकी टेस्टिंग आदि का कार्य शुरू करा दिया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार मानसून के बाद वहां से नियमित बिजली आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी।

मोरी विकासखंड के गोविंद वन्यजीव विहार के तहत आने वाले दूरस्थ 65 गांव की बिजली आपूर्ति को सुचारू रखने के लिए नैटवाड़ के गैचवान गांव में सब स्टेशन का निर्माण किया गया था लेकिन भूमि विवाद के चलते पिछले दस सालों से इसका संचालन बंद पड़ा हुआ था। इससे दूरस्थ गांव के लोगों को हर दिन लो वोल्टेज और कई दिनों तक विद्युत आपूर्ति बंद होने की समस्याओं से जूझना पड़ता था। करीब दो माह पूर्व उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच की ओर से वहां पर शिविर

का आयोजन किया। इस दौरान स्थानीय निवासी गंगा सिंह रावत ने सब स्टेशन का संचालन न होने से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की समस्याओं को मंच के सामने रखा था। उसके बाद मंच ने उर्जा निगम को वहां पर जल्द ही विवाद को निपटाते हुए सब स्टेशन के संचालन के निर्देश दिए थे। उसके बाद ऊर्जा निगम ने ने सीजीआरएफ के आदेश को विद्युत लोकपाल के सामने चुनौती दी लेकिन लोकपाल ने भी मंच के आदेश को सही ठहराते हुए विभाग को उपभोक्ताओं को नियमित बिजली बिजली उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद विभाग ने लंबे समय से लंबित भूमि विवाद का समाधान कर बंद पड़े सब स्टेशन को चालू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीजीआरएफ के उपभोक्ता सदस्य संतोष भट्ट ने बताया कि मंच में 65 गांवों में अनियमित बिजली आपूर्ति और लो वोल्टेज की शिकायत दर्ज हुई थी। आयोग के विनियमों और अधिनियम के तहत विभाग को उपभोक्ताओं को बिजली उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए थे। यदि अब समस्या का समाधान हो जाता है तो इसका सीधा लाभ क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को मिलेगा।

## रासायनिक कीटनाशक का उपयोग फल-सब्जियों पर पड़ रहा भारी

काशीपुर। किसान फल मक्खी को नष्ट करने के लिए रासायनिक कीटनाशक का प्रयोग करते है, लेकिन यह फसल के लिए फायदे की बजाय नुकसानदायक हो सकता है। कृषि वैज्ञानिक किसानों को फल मक्खी के बचाव के लिए केमिकल की बजाय फ्रूट फ्लाई ट्रैप के प्रयोग की सलाह दे रहे हैं।

जिले में फल मक्खी (फ्रूट फ्लाई) फलों और सब्जियों के लिए गंभीर समस्या बनी है। किसान जानकारी के अभाव में इस मक्खी के नियंत्रण के लिए विभिन्न प्रकार के रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग करते हैं। इनके प्रयोग से फल मक्खी पर पूरी तरह नियंत्रण पाना संभव नहीं है।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. अनिल चंद्रा ने बताया कि कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल से फलों और सब्जियों में रसायनों के अवशेष लंबे समय तक रहते हैं। ऐसे दूषित फलों का सेवन करने से लोगों के शरीर में कैंसर जैसी घातक और गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कृषि उत्पादों में मौजूद जहरीले रसायनों के कारण विदेशों में इन्हें अस्वीकार किया जा रहा है।

**बिना नुकसान के मक्खी पर होगा नियंत्रण**

कृषि वैज्ञानिक डॉ. चंद्रा ने बताया कि फ्रूट फ्लाई ट्रैप का उपयोग करने से न केवल महंगे व खतरनाक कीटनाशकों पर होने वाले फिजूलखर्च कम होगा, इससे फल मक्खी पर शत-प्रतिशत नियंत्रण भी पाया जा सकेगा। खतरनाक रसायन से मुक्त फलों और सब्जियों के विदेश निर्यात को बढ़ावा मिलने से किसान आर्थिक लाभ भी कमा सकेंगे।

## रेगुलर हुई योगनगरी ऋषिकेश-हुबली स्पेशल ट्रेन

ऋषिकेश। योगनगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन से हुबली (कर्नाटक) के मध्य संचालित होने वाली स्पेशल ट्रेन को रेलवे की ओर रेगुलर कर दिया गया है। रेगुलर ट्रेन के टिकटों की बिक्री भी शुरू हो गई है। रेगुलर ट्रेन के संचालन से यात्रियों को टिकट में भी राहत मिलेगी। योगनगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन से हुबली के मध्य स्पेशल ट्रेन (07363-07364) का संचालन हो रहा था। यात्री इस ट्रेन को रेगुलर करने की मांग कर रहे थे। स्पेशल के संचालन होने से यात्रियों को ज्यादा किराया चुकाना पड़ता था। जबकि रेगुलर ट्रेन में कम किराया चुकाना पड़ता है। यह ट्रेन 9 जुलाई से रेगुलर बनकर चलेगी। इस रेगुलर ट्रेन के टिकटों की बुकिंग भी शुरू हो गई है। बताया जा रहा कि स्पेशल ट्रेन में योगनगरी ऋषिकेश से दिल्ली का स्लीपर क्लास का टिकट 400 रुपये

था जो रेगुलर ट्रेन में 190 हो गया है। रेलवे की ओर से यह ट्रेन गर्मियों की छुट्टियों को देखते हुई लगाई गई थी। यात्रियों की अच्छी भीड़ मिलने के बाद इसे रेगुलर करने का रेलवे की ओर से निर्णय लिया गया। यह ट्रेन सप्ताह में एक दिन बृहस्पतिवार को सुबह 6:15 बजे हुबली के लिए रवाना होती है। जबकि हुबली से बुधवार की रात 11:30 बजे योगनगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन पर पहुंचती है।

## घनसाली में चार दिन बाद आया पानी, पीने लायक नही

घनसाली (टिहरी)। नगर पंचायत क्षेत्र घनसाली में चार दिनों तक पानी का संकट झेलने के बाद रविवार को जलापूर्ति तो बहाल हो गई लेकिन नलों से गंदा और मटमैला पानी आने से लोगों की मुश्किलें खत्म नहीं हुईं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी इतना दूषित है कि इसका उपयोग पीने के साथ ही घरेलू कार्यों के लिए भी नहीं किया जा सकता। लोगों ने जल संस्थान की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाते हुए साफ पानी की आपूर्ति करने की मांग की है।

बीते 2 जुलाई को हुई मूसलाधार बारिश के दौरान घनसाली-रानीगढ़ पेयजल योजना की पाइपलाइन पोखार के समीप क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके चलते नगर पंचायत क्षेत्र की पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई थी। लोगों को चार दिनों तक पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। अधिकांश परिवारों को वैकल्पिक स्रोतों से पानी की व्यवस्था करनी पड़ी। जल संस्थान ने क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत के बाद रविवार को जलापूर्ति शुरू कर दी, लेकिन नलों से गंदा और मटमैला पानी आने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। लोगों ने जल संस्थान से जल्द स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की है। जल संस्थान के ईई अमित कुमार ने बताया कि भारी बारिश से पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण पेयजल आपूर्ति बाधित हुई थी। मरम्मत के बाद आपूर्ति बहाल कर दी गई है। उन्होंने कहा कि नलों में आ रहे गंदे पानी की समस्या भी शीघ्र दूर कर दी जाएगी । उपभोक्ताओं को साफ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

## नीलकंठ मंदिर व पैदल मार्ग पर 47 सीसीटीवी से होगी निगरानी

यमकेश्वर। कांवड़ यात्रा के लिए नीलकंठ मंदिर परिसर और पैदल मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। मंदिर समिति के 30 सीसीटीवी कैमरों के अतिरिक्त पुलिस ने 17 कैमरे लगाए हैं। यात्रा के दौरान भौन वाला रास्ता बंद रहेगा और जेबकतरों पर भी नजर रखी जाएगी।

पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने बताया कि पुंडरासू पैदल मार्ग पर नौ और मंदिर परिसर में पांच सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पीपलकोटी से नीलकंठ मार्ग और पैदल मार्ग पर कैमरों की संख्या बढ़ाई जाएगी। कांवड़ यात्रा के दौरान ड्रोन से भी निगरानी की जाएगी। भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जेबकतरों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यात्रियों के मार्ग भटकने और हाथी प्रभावित होने की घटनाओं को देखते हुए भौन-आमपाणी-बैराज पैदल मार्ग पूरी तरह बंद रहेगा। नीलकंठ से पुंडरासू पैदल मार्ग पर कुछ स्थानों पर लोनिवि बैरिकेडिंग लगाएगा।

**दोपहिया वाहनों के लिए सात पार्किंग बनाई गई**

कांवड़ यात्रियों के दोपहिया वाहनों के लिए कुल सात पार्किंग बनाई गई हैं। तलाईं गांव और भुवनेश्वरी माता मंदिर के पास प्रत्येक में 2000 दोपहिया वाहनों की पार्किंग क्षमता है। निजी पार्किंग में 2000, लोनिवि की दो पार्किंग में 1000 और जिला पंचायत पार्किंग में 500 वाहन पार्क होंगे। ग्राम पंचायत जुड्डा की पार्किंग में भी 500 दोपहिया वाहन खड़े किए जा सकेंगे।

**मंदिर गेट के पास रखी निर्माण सामग्री हटाने के निर्देश**

कांवड़ियों को खैरखाल से तलाईं पार्किंग पहुंचकर डेढ़ किलोमीटर पैदल चलकर मंदिर जाना होगा। सभी पार्किंग भरने पर और पीपलकोटी-नीलकंठ मोटर मार्ग पर भीड़ बढ़ने पर वाहनों को दिउली इंटर कॉलेज मैदान भेजा जाएगा। वहां से कांवड़िए खरगोसा गांव होते हुए पार्वती माता मंदिर मार्ग से नीलकंठ की ओर जाएंगे। लोनिवि दुगड्डा ने जिला पंचायत पार्किंग से नीलकंठ मंदिर गेट तक सड़क किनारे पड़े मलबे को हटाना शुरू कर दिया है। मंदिर गेट के पास रखी निर्माण सामग्री को भी शीघ्र हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

## बदरीनाथ चढ़ावा प्रकरण: कांग्रेस ने लगाए कई गंभीर आरोप

चमोली। बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावे के पैसों में हेराफेरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने मांग की है कि प्रकरण की जांच पूरी होने तक बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति को भंग किया जाए। प्रदेश सरकार को इस मामले की गंभीरता से निष्पक्ष जांच करवानी चाहिए। नगर कांग्रेस कमेटी ने पत्रकार वार्ता में सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए।

कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता कमल रतूड़ी ने कहा कि बदरीनाथ व केदारनाथ में लगातार कई मामले सामने आए, लेकिन आज तक कोई भी जांच पूरी नहीं हुई। कमल रतूड़ी ने कहा कि बीकेटीसी के अध्यक्ष पद पर काबिज व्यक्ति पूर्व में कई आरोपों से घिरे हुए हैं इसलिए पूरी बदरीनाथ-केदारनाथ कमेटी को भंग कर निष्पक्ष जांच की जाए।

कांग्रेस नगर अध्यक्ष प्रकाश नेगी व ब्लॉक

अध्यक्ष दिगंबर सिंह बिष्ट ने कहा कि बीकेटीसी में पहले भी कुछ प्रकरण आए थे लेकिन किसी में कार्रवाई नहीं हुई, इसलिए इस बार जांच पूरी होने तक मंदिर समिति को भंग रखा जाए।

### सरकार जनता के द्वार जाकर कर रही समस्याएं हल : विधायक

थत्यूड (टिहरी)। थत्यूड़ सभागार में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के पांच साल कार्यकाल पूरा होने पर सेवा, सुशासन व समर्पण कार्यक्रम में प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विधायक प्रीतम सिंह पंवार ने कहा कि सीएम धामी के नेतृत्व में जन-जन की सरकार जनता के द्वार जाकर उनकी समस्याओं का निस्तारण कर रही हैं। जिला पर्यटन अधिकारी सोबत सिंह राणा ने वीरचंद्र सिंह गढ़वाली योजना के तहत स्वरोजगार पर दी जाने वाली सब्सिडी, होम स्टे योजनाओं की जानकारी दी। सहायक कृषि अधिकारी सूरज देव ने कृषि यंत्रों पर 80 प्रति सब्सिडी सहित कृषि संबंधित योजनाओं की जानकारी दी।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

## संक्षिप्त समाचार

### पाकिस्तान में दो महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म, चार गिरफ्तार

**लाहौर, एजेंसी।** पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के करीबी रिश्तेदार मोहम्मद रजा डार ने अपने साथियों के साथ मिलकर दो विदेशी महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म किया है। लाहौर की एक अदालत ने शुक्रवार को मुख्य आरोपी रजा डार और उनके साथियों-हसन रजा, सिकंदर खान और साजिद अली को पांच दिनों की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि नीदरलैंड और वेनेजुएला की रहने वाली इन महिलाओं की मुलाकात अक्तूबर 2025 में सिंगापुर में रजा डार से हुई थी। रजा डार ने उन्हें पाकिस्तान बुलाया और 29 जून को लाहौर में अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म किया।

### यूक्रेन पर हमले तेज, रूस में ईंधन का संकट नहीं : पुतिन

**कीव, एजेंसी।** रूसी तेल रिफाइनरियों पर यूक्रेन के लगातार हमलों से देश में ईंधन संकट गहराने के बावजूद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस में स्थिति गंभीर नहीं है। पुतिन ने युद्धविराम के प्रस्तावों को खारिज करते हुए कहा, उनके लक्ष्य पूरे होने तक युद्ध जारी रहेगा। उन्होंने रूसी ऊर्जा क्षेत्र पर हुए हमलों को यूक्रेन की ऐसी चाल बताया है जिसका मकसद जंग में हुई क्षति से ध्यान भटकाना है। रूसी सेना ने बुधवार रात से बृहस्पतिवार सुबह तक कीव पर लगातार 11 घंटे तक बड़े पैमाने पर हमले किए, जिनमें 30 लोगों की मौत हो गई। कई नागरिक घायल हो गए। ये हमले अब तक के बड़े हमलों में से एक थे।

### द. कोरिया : 2035 तक खुद के उपग्रह नेटवर्क की तैयारी

**सियोल, एजेंसी।** दक्षिण कोरिया ने 2035 तक खुद का उपग्रह नेटवर्क बनाने का एलान किया है। देश की सरकारी अंतरिक्ष एजेंसी (कासा) ने कहा, दक्षिण कोरिया सैकड़ों उपग्रहों से लैस अपना खुद का लो-अर्थ ऑर्बिट (लियो) उपग्रह संचार नेटवर्क बनाएगा। इसके साथ ही देश के पहले चंद्र मिशन के लक्ष्य को दो साल पहले यानी 2030 तक पूरा करने का फैसला किया गया है। जिंजू शहर में आयोजित एक सार्वजनिक ब्रीफिंग के दौरान कासा ने इस रणनीतिक योजना का अनावरण किया। योजना को मंजूरी मिल चुकी है।

### सोशल मीडिया पाबंदी... बदलावों में देरी पर निंदा

**केनबरा, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज ने बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर दुनिया में अपनी तरह के पहले प्रतिबंध में प्रस्तावित बदलावों को बाधित करने वाले सांसदों की निंदा की है। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी कंपनियां देरी का लाभ उठाकर ऐसे दस्तावेज नष्ट कर सकती हैं जिनका उनके खिलाफ सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। सरकार ने इस सप्ताह संसद में संशोधन पेश किए थे, जिनका उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया की ऑनलाइन सुरक्षा निगरानी संस्था 'ई-सेफ्टी' की आयुक्त जूली इनमैन ग्रांट की शक्तियां बढ़ाना था। ये संशोधन फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब समेत विभिन्न मंचों पर 16 वर्ष से कम उम्र के ऑस्ट्रेलियाई बच्चों के खाते रखने पर दिसंबर से लागू प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू करने से संबंधित हैं। रूढ़िवादी विपक्षी लिबरल पार्टी और 'ऑस्ट्रेलियन ग्रीन्स पार्टी' ने इससे संबंधित विधेयक के मसौदे को आठ सप्ताह की सीनेट समीक्षा के लिए भेज दिया है।

### लंदन में ईरानी पत्रकार पर हमले के दोषियों को जेल

**लंदन, एजेंसी।** लंदन की एक अदालत ने ईरानी पत्रकार पूरिया जेराती पर चाकू से हमला करने के मामले में शुक्रवार को दो रोमानियाई पुरुषों को सजा सुनाई। कोर्ट ने जॉर्ज स्टाना को 12 साल और नंदितो बादिया को 8 साल की जेल दी है। जज बॉबी चीमा-ग्रब ने कहा कि सबूतों से साफ पता चलता है कि यह हमला ईरान सरकार के इशारे पर किया गया था। मार्च 2024 में लंदन के विंबलडन इलाके में 'ईरान इंटरनेशनल' के एंकर पूरिया जेराती के पैर में चाकू मारा गया था। हमलावर वारदात के बाद हीथ्रो एयरपोर्ट से फरार हो गए थे। बाद में उन्हें रोमानिया से गिरफ्तार कर ब्रिटेन लाया गया। तीसरा संदिग्ध डेविड आंद्रेई फिलहाल रोमानिया में कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहा है।

### पेरू में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों की घोषणा, केइको फुजीमोरी ने दर्ज की जीत

**लीमा, एजेंसी।** पेरू में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों की घोषणा हो गई है। रूढ़िवादी नेता केइको फुजीमोरी ने इस कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की है। देश की शीर्ष चुनाव संस्था ने शुक्रवार को उनकी जीत पर मुहर लगा दी। 51 साल की केइको पूर्व राष्ट्रपति अल्बर्टो फुजीमोरी की बेटी हैं। वह चौथी बार राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हुई थीं। चुनाव अधिकारियों के आंकड़ों के अनुसार, केइको को कुल 50.135 प्रतिशत (9,223,000) वोट मिले।

# खामेनेई के जनाजे में भावुक हुए राष्ट्रपति और स्पीकर... नम आंखों से विदा करने पहुंचे लाखों लोग

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के दिवंगत सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे की विशाल तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शनिवार से शुरू होने वाले इस बड़े अंतिम संस्कार से पहले तेहरान में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में भावुक माहौल दिखा। समारोह के दौरान ईरान के वर्तमान राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बघेर गालिबाफ भावुक होकर रो पड़े। इन बड़े नेताओं के साथ पूरी देश की लीडरशिप भारी भीड़ के सामने फूट-फूटकर रोती हुई नजर आई। इस विशाल और ऐतिहासिक जनाजे में बहुत ही बड़ी संख्या में देश के आम नागरिक और दुनिया के कई नेता पहुंचे हैं। ईरान की सरकार इसे केवल एक साधारण शोक समारोह नहीं बल्कि अपनी मजबूत राष्ट्रीय एकता और राजनीतिक मजबूती मान रही है। इसके जरिए युद्ध के बाद देश की जनता के सामने अपनी विशाल शक्ति का बड़ा प्रदर्शन भी किया जा रहा है। तेहरान की सड़कों पर बैनर लगाए गए हैं जिन पर अरबी, फारसी और अंग्रेजी में खास संदेश लिखे गए हैं।

**परिजनों के ताबूत भी रखे गए :** राजधानी तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला परिसर में पूर्व सुप्रीम लीडर खामेनेई का राष्ट्रीय ध्वज से पूरी तरह से ढका हुआ पवित्र ताबूत भारी सम्मान के साथ रखा गया। उनके साथ उन अन्य परिजनों के ताबूत भी कतार में रखे गए जिनकी मौत युद्ध के पहले ही दिन हुए खतरनाक हवाई हमले में हुई थी। मरने वालों में उनके दामाद, बड़ी बेटी, 14 महीने की पोती और देश के नए

सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई की पत्नी शामिल थीं।

**आशीर्वाद के लिए उमड़ा जनसैलाब :** इस भव्य समारोह में एक बेहद भावुक दृश्य तब साफ देखने को मिला जब शोक में डूबे हजारों लोग अपने वस्त्र ताबूत से स्पर्श करवा रहे थे। इन चीजों को पवित्र ताबूत से स्पर्श कराने को ईरान में बहुत ही पवित्र और बड़े आशीर्वाद का प्रतीक माना जाता है। बाद में खामेनेई के ताबूत को एक बड़े लाल झंडे से ढका गया जिस पर अरबी भाषा में 'या हुसैन' का नारा लिखा था।

**शक्ति और एकता का कड़ा संदेश :** तेहरान की सड़कों पर लगे बैनरों पर 'हमें उठ खड़ा होना होगा' जैसे संदेश लिखे गए हैं ताकि आम जनता एकजुट रहे। ताबूत पर रखा गया लाल झंडा हमेशा से अन्याय के खिलाफ कड़े संघर्ष और दुश्मनों से भारी बदले के बड़े संकल्प का एक अहम प्रतीक है। इसी बीच ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के वरिष्ठ कमांडर जनरल अहमद वाहिदी भी कई महीनों बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए।

**कई दिनों तक चलेगा शोक कार्यक्रम :** शनिवार के दिन से शुरू होने वाला यह ऐतिहासिक और विशाल शोक समारोह लगातार कई दिनों तक ईरान में पूरे राष्ट्रीय सम्मान के साथ आयोजित किया जाएगा। खामेनेई के पार्थिव शरीर को ईरान के विभिन्न बड़े शहरों के साथ-साथ पड़ोसी देश इराक के पवित्र स्थानों पर भी अंतिम दर्शन के लिए ले जाया जाएगा। इस पूरी अवधि के दौरान तेहरान में सुरक्षा कारणों से कई अहम सड़कें बंद रहेंगी, हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध रहेगा और शोक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

**ईरानी नेताओं की आंख से छलके आंसू :** खामेनेई को विदाई देते हुए ईरान के शीर्ष नेता अपने आंसू रोक नहीं पाए। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि उनकी अंतिम विदाई के दौरान विदेश मंत्री अब्बास अराघची और ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बागेर गलिबाफ फूट-फूटकर रोने लगे। तेहरान के राज्यपाल मोहम्मद सादेग मोतामदियान ने कहा कि, इस पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

**कांग्रेस पार्टी की ओर से सलमान खुर्शीद कर रहे नेतृत्व :** पिछले तीन दशक से ईरान का नेतृत्व कर रहे खामेनेई की 28 फरवरी को तेहरान पर अमेरिका और इज़राइल के हवाई हमलों के पहले दिन मौत हो गई थी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। साथ ही पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती और भारत से गए सिख, हिंदू, मुस्लिम और ईसाई धर्मगुरुओं ने भी दिवंगत ईरानी नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से उनकी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में पूछा गया कि खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व किसने किया, क्योंकि इसमें कई लोग शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा, ''जहां तक भारत सरकार का सवाल है, हमने इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। हमारी ओर से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा आज तेहरान में ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

# क्या पुतिन की कुर्सी जाने वाली है ! 2026 तक क्या बदल जाएगा रूस का बॉस इस बड़े दांव से मचा हड़कंप

**मास्को, एजेंसी।** रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे भीषण युद्ध के बीच एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने अंतरराष्ट्रीय गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। दरअसल, एक ऑनलाइन ट्रेडर ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भविष्य को लेकर करोड़ों रुपये की बाजी लगा दी है। यह दांव ऐसे समय में लगाया गया है जब युद्ध के लंबा खिंचने के कारण रूस के भीतर पुतिन की लोकप्रियता और उनकी पकड़ को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

**क्या सच में जा रही है पुतिन की कुर्सी :** रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रेडिक्शन मार्केट प्लेटफॉर्म 'पोलीमार्केट' पर एक यूजर ने भारी-भरकम रकम दांव पर लगाई है। 'जेडनोटलुवुईसेमेज' नाम से मौजूद इस ट्रेडर ने करीब 4.09 लाख डॉलर, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 3.89 करोड़ रुपये होते हैं। उसने इस बात का दावा किया है कि व्लादिमीर पुतिन दिसंबर 2026 के अंत तक रूस के राष्ट्रपति पद पर नहीं रहेंगे। यदि यह अनुमान सही साबित होता है, तो इस शख्स को करीब 25 लाख डॉलर यानी 23,80,00,000 रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया जाएगा। हैरान करने वाली बात यह है कि इस ट्रेडर की प्रोफाइल फोटो में यूक्रेन का झंडा लगा हुआ है, जो इसके राजनीतिक झुकाव की ओर इशारा करता है। प्लेटफॉर्म पर फिलहाल इस घटना के सच होने की संभावना

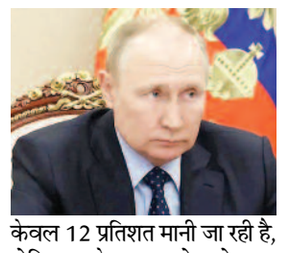

केवल 12 प्रतिशत मानी जा रही है, लेकिन इसके बावजूद ट्रेडर ने इतना बड़ा जोखिम उठाया है। इतना ही नहीं, इसी ट्रेडर ने यूक्रेन द्वारा क्रीमिया पर दोबारा कब्जा करने और अगस्त के अंत तक संभावित शांति समझौते पर भी अलग-अलग रकम की बाजी लगा रखी है।

**पुतिन की लोकप्रियता में गिरावट :** इस दांव के पीछे की वजह रूस के भीतर बदलते समीकरण भी हो सकते हैं। हाल ही में रूस की सरकारी पोल एजेंसी ने एक सर्वे जारी किया है, जिसमें पाया गया कि 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद पहली बार पुतिन की लोकप्रियता में इतनी तेज गिरावट आई है। केवल एक सप्ताह के भीतर उन पर जनता का भरोसा 3.4 प्रतिशत अंक कम हो गया है। महंगाई की बढ़ती मार, यूक्रेन के लंबी दूरी के मिसाइल हमले, ईंधन संकट और कई क्षेत्रों में इंटरनेट की पाबंदी ने आम रूसी नागरिकों के भीतर नाराजगी पैदा कर दी है। 'इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट स्टडीज एंड एनालिसिस ऑफ रशिया' की एक स्टडी के अनुसार, रूस में 10 में से 8 लोग चाहते हैं।

## नेपाल में राष्ट्र सेवा प्रशिक्षण के लिए नए कानून की तैयारी

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल सरकार राष्ट्रीय सेवा दल से जुड़ा नया कानून लाने की तैयारी में है। इसके तहत किसी भी नेपाली नागरिक को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। जरूरत पड़ने पर प्रशिक्षित लोगों को राष्ट्र सेवा के लिए स्वयंसेवक के रूप में तैनात किया जा सकेगा। रक्षा मंत्री का कार्यभार भी संभाल रहे प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह (बालेन) ने यह विधेयक संघीय संसद सचिवालय में पंजीकृत कराया है।

इस विधेयक के उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि विद्यार्थियों में देशभक्ति, जनसेवा और राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित की जाएगी। उन्हें नैतिक, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाने पर भी जोर दिया जाएगा। विधेयक में कहा गया है कि राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार किसी भी नेपाली नागरिक को प्रशिक्षण देकर राष्ट्र सेवा के लिए तैयार किया जा सकेगा। इसमें नेतृत्व क्षमता बढ़ाने और विकास व निर्माण कार्यों के लिए स्वयंसेवकों का समूह तैयार करने का भी प्रावधान है।

**सेवा दल के प्रमुख संरक्षक होंगे प्रधानमंत्री :** प्रस्ताव के अनुसार प्रधानमंत्री सेवा दल के प्रमुख संरक्षक और रक्षा मंत्री संरक्षक होंगे। नेपाल सरकार,

प्रधान सेनापति की सिफारिश पर अवकाश प्राप्त उपरथियों में से एक को दो वर्ष के लिए कार्यकारी महानिदेशक नियुक्त करेगी। विधेयक में कहा गया है कि विशेष परिस्थितियों, युद्ध या आंतरिक संघर्ष के समय किसी भी नेपाली नागरिक को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा।

प्रशिक्षण पूरा करने वाले विद्यार्थियों और अन्य नागरिकों को मंत्रिपरिषद के तय नियमों के अनुसार राष्ट्र सेवा में लगाया जा सकेगा। कक्षा 8 से 10 तक के विद्यार्थियों को जूनियर और कक्षा 11-12 के विद्यार्थियों को सीनियर डिवीजन में प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए आवश्यक प्रशिक्षक नेपाली सेना उपलब्ध कराएगी।

# एम्पायर स्टेट पर प्रपोज करने वाले रूसी कपल एंजेला और इवान को पुलिस ने किया है गिरफ्तार

**वाशिंगटन, एजेंसी।** 1 जुलाई 2026 को न्यूयॉर्क की 1,454 फीट (करीब 443 मीटर) ऊंची एम्पायर स्टेट बिल्डिंग पर एक बहुत ही चौंकाने वाली घटना घटी है। रूस के रहने वाले मशहूर रूफटॉपर्स एंजेला निकोलाउ और इवान बीरकुस ने बिना किसी सुरक्षा उपकरण के इस गगनचुंबी इमारत के सबसे ऊपरी हिस्से पर पहुंचकर सगाई कर ली। 32 वर्षीय इवान ने 33 वर्षीय एंजेला को 103वीं मंजिल के स्पायर पर 443 मीटर की ऊंचाई पर शादी के लिए प्रपोज किया। दोनों ने वहां एक बड़ा बैनर भी फहराया जिस पर प्यार और शांति का एक खास संदेश बहुत ही स्पष्ट रूप से लिखा हुआ था।

इस बड़े और जोखिम भरे स्टंट के वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो रहे हैं और पूरी दुनिया में इसकी भारी चर्चा हो रही है। लेकिन जैसे ही यह कपल अपना

हैरतअंगेज कारनामा पूरा करके वहां से नीचे उतरा, वैसे ही न्यूयॉर्क पुलिस ने उन दोनों को तुरंत अपनी हिरासत में ले लिया।

पुलिस ने बताया कि ये दोनों बिना किसी आधिकारिक अनुमति के इमारत के अत्यंत प्रतिबंधित और सुरक्षित हिस्से में गैर-कानूनी तरीके से पूरी तरह घुस गए थे। उन पर आपराधिक अतिक्रमण, लापरवाही से दूसरों की जान खतरे में डालने और गंभीर चोरी जैसे बेहद सख्त आरोप भी लगाए गए हैं।

**एम्पायर स्टेट बिल्डिंग का प्रबंधन :** बिल्डिंग के प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि इस पूरी घटना के दौरान वहां मौजूद पर्यटकों या किसी भी कर्मचारी को कोई सीधा खतरा बिल्कुल भी नहीं हुआ। प्रबंधन ने यह भी साफ कहा कि अगर कोई अपने शादी के प्रस्ताव को यादगार बनाना चाहता है तो इसके लिए ऑब्जर्वेशन डेक पहले से मौजूद है। ऐसे जानलेवा और अत्यंत खतरनाक तरीके अपनाने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि इससे किसी भी वक्त कोई बड़ा और गंभीर हादसा हो सकता है।

**दुनिया के मशहूर रूफटॉपर्स का इतिहास :** यह कोई पहला मौका नहीं है जब एंजेला और इवान ने इतनी ऊंची इमारत पर अपना यह खतरनाक और हैरान करने वाला कारनामा दुनिया को दिखाया हो। ये दोनों पहले भी मलेशिया की दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची इमारत मर्डेका 118 और चीन की गोल्डिन फाइनैंस 117 जैसी इमारतों पर सफलतापूर्वक चढ़ चुके हैं। इन दोनों की इसी बेहद खतरनाक और रोमांचक जिंदगी पर साल 2024 में नेटफ्लिक्स ने 'स्काइवॉकर्सः ए लव स्टोरी' नाम की चर्चित डॉक्यूमेंट्री भी बनाई थी। इवान का मानना है कि रूफटॉपिंग उन्हें जीने की बड़ी प्रेरणा देती है, वहीं एंजेला भी इस खतरनाक काम को अपनी एक खास कला मानती हैं। ये दोनों खुद यह बात स्वीकार कर चुके हैं कि उन्हें पहले भी कई अन्य देशों में ऐसे खतरनाक स्टंट के दौरान पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। एंजेला का कहना है कि जब बाकी लोग नियमों का पालन करते हैं, तब वे सिस्टम से सचमुच बहुत ऊपर जाकर असली रोमांच का बड़ा एहसास करते हैं। एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से तक पहुंचने का ऐसा कारनामा पहले बहुत ही कम लोगों ने किया है, जिनमें 1994 में फ्रांस के पर्वतारोही एलेन रॉबर्ट शामिल थे।

# इराक में भ्रष्टाचार पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' ! आधी रात 'ग्रीन जोन' में घुसी फोर्स, सांसद-मंत्री समेत 47 गिरफ्तार

**बगदाद, एजेंसी।** इराक की राजनीति में उस वक्त हड़कंप मच गया जब राजधानी बगदाद के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले 'ग्रीन जोन' में रविवार तड़के भारी सुरक्षा बलों ने छापेमारी शुरू की। प्रधानमंत्री अली अल जैदी के सीधे आदेश पर शुरू किए गए इस महाभियान के तहत अब तक 47 प्रभावशाली नेताओं और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस कार्रवाई को इराक के इतिहास में भ्रष्टाचार के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा प्रहार माना जा रहा है। एलीट काउंटर टेररिज्म सर्विस ने संभाली कमान न्यूज एजेंसी रॉयटर्स और स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस ऑपरेशन को इराक की एलीट काउंटर टेररिज्म सर्विस ने अंजाम दिया। सुरक्षा बलों ने रविवार तड़के उन ठिकानों पर दबिश दी, जिन्हें सत्ता का केंद्र माना जाता है।

सरकारी समाचार एजेंसी आईएनए ने बताया कि पकड़े गए लोगों में कई वर्तमान सांसद और हाई-प्रोफाइल नौकरशाह शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह पूरी कार्रवाई अदालत द्वारा जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट के आधार पर की गई है, जिससे यह स्पष्ट है कि सरकार ने इसके लिए पुख्ता कानूनी तैयारी की थी।

**प्रधानमंत्री का 'भ्रष्टाचार मुक्त इराक' मिशन :** इसी साल मई में सत्ता संभालने वाले प्रधानमंत्री अली अल जैदी ने पद की शपथ लेते ही जनता से वादा किया था कि वे सरकारी खजाने को लूटने वालों को नहीं छोड़ेंगे। सरकार के प्रवक्ता हैदर अल अबूदी ने मीडिया को बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकारी संस्थानों को मजबूत करना और सार्वजनिक धन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री जैदी खुद इस पूरे ऑपरेशन की निगरानी कर रहे हैं, ताकि किसी भी तरह के राजनीतिक दबाव को टाला जा सके। इस भ्रष्टाचार नेटवर्क का खुलासा तब हुआ जब रिफाइनिंग मामलों के उप तेल मंत्री अदनान अल जुमैली को हिरासत में लिया गया। जांच एजेंसियों के मुताबिक, अल जुमैली की गिरफ्तारी के बाद हुई पूछताछ में कई चौंकाने वाले नाम सामने आए। उन्हीं के बयानों और मिले दस्तावेजों के आधार पर सुरक्षा बलों ने अन्य 46 अधिकारियों पर शिकंजा कसा है। हालांकि, रिपोर्टों में यह भी संकेत दिया गया है कि कुछ संदिग्ध अधिकारी अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश में छापेमारी जारी है। इराक सरकार का कहना है कि यह केवल शुरुआत है और भ्रष्टाचार के इस विशाल नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त किया जाएगा। इस कार्रवाई ने न केवल इराक, बल्कि पूरे खाड़ी देशों में चर्चा छेड़ दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्रधानमंत्री अली अल जैदी अपने इस अभियान में सफल रहते हैं, तो इससे इराक की प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा सुधार देखने को मिल सकता है और विदेशी निवेशकों का भरोसा भी बहाल होगा।

## ब्रिटेन के कैम्ब्रिजशायर में मंदिर के लिए नहीं दी जमीन, चर्च और मुस्लिम ग्रुप को सौंप दी; त्योहार नहीं मना पाते हिंदू

**नॉर्थस्टोव, एजेंसी।** ब्रिटेन के कैम्ब्रिजशायर स्थित नए शहर नॉर्थस्टोव में अपना पहला पूजा स्थल बनाने की कोशिश कर रहे ब्रिटिश हिंदुओं को तगड़ा झटका लगा है। स्थानीय काउंसिल ने एक जमीन के टुकड़े को हिंदू चैरिटी को देने के बजाय एक चर्च और मुस्लिम ग्रुप को आवंटित कर दिया है। यह फैसला सामने आने के बाद इलाके में रहने वाले करीब 150 हिंदू परिवारों में काफी निराशा है।

**क्या है पूरा मामला :** साउथ कैम्ब्रिजशायर डिस्ट्रिक्ट काउंसिल ने 0.25 हेक्टेयर जमीन को 999 साल के लिए 'नॉर्थस्टोव चर्च नेटवर्क' को लीज पर दे दिया है। इसके लिए उन्हें सिर्फ नाममात्र का किराया चुकाना होगा। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय निवासियों द्वारा बनाए गए 'हिंदू समाज नॉर्थस्टोव' ने भी इस जमीन के लिए बोली लगाई थी। उन्होंने यहां एक मंदिर के साथ-साथ 'सर्वधर्म' और वेलबीइंग सेंटर बनाने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, बोलियों का आकलन करने वाले काउंसिल के अधिकारियों ने एचएसएन के प्रस्ताव को 65% और एनसीएन के प्रस्ताव को 81% अंक दिए, जिसके कारण जमीन चर्च नेटवर्क को मिल गई।

**मुस्लिम ग्रुप कैसे बना हिस्सेदार :** नॉर्थस्टोव चर्च नेटवर्क के प्रस्ताव में नॉर्थस्टोव के मुसलमानों को मुख्य किरायेदार (एंकर टेनेंट) के रूप में शामिल किया गया था। इस प्रस्ताव में उनके लिए एक अलग इस्लामिक प्रार्थना कक्ष और शिक्षा केंद्र बनाने की बात शामिल है। नॉर्थस्टोव मुस्लिम ग्रुप के अध्यक्ष नवाश ने बताया कि शहर में लगभग 200 मुस्लिम हैं, जिन्हें दिन में पांच बार नमाज पढ़ने के लिए एक स्थायी जगह की जरूरत थी, क्योंकि कम्युनिटी स्पेस इतने लंबे समय तक खुले नहीं रहते। यही वजह है कि उन्होंने एंकर टेनेंट के तौर पर आवेदन किया था। वहीं, एनसीएन के प्रवक्ता का कहना है कि स्थानीय समुदायों और आस्था समूहों को भी जगह किराए पर लेने की अनुमति दी जाएगी। कैम्ब्रिजशायर में कई चर्च और मस्जिदें हैं, लेकिन एक भी हिंदू मंदिर नहीं है। हिंदुओं को पूजा करने के लिए दो घंटे का सफर तय करके बर्मिंघम या वेम्बली जाना पड़ता है। वे रात भर के लिए कम्युनिटी स्पेस किराए पर नहीं ले सकते, जिससे गणपति जैसे त्योहार मनाना मुश्किल हो जाता है। हालात ये हैं कि भगवान की मूर्तियों को कैरी बैग में रखकर गैराज में रखना पड़ता है। जगह-जगह ले जाने के कारण कई मूर्तियां खंडित भी हो गई हैं। उत्तर प्रदेश के कानपुर से यूके गए अभिषेक श्रीवास्तव कहते हैं कि उन्हें कभी-कभी लगता है कि यूके आकर उन्होंने गलती कर दी, क्योंकि उनके 9 और 12 साल के बच्चे हिंदू त्योहारों में हिस्सा नहीं ले पाते। वहीं, 16 साल की इवा का कहना है कि उसने कभी रात भर शिवरात्रि नहीं मनाई और न ही कभी 'हवन' देखा है।

# बलूच लिबरेशन आर्मी ने कहा, 'एक ही मकसद...बलूचिस्तान की आजादी'

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** बलूच लिबरेशन आर्मी ने ग्वादर में जिवानी के पनवान इलाके में पाकिस्तान कोस्ट गार्ड कैंप पर हुए जानलेवा फिदायीन हमले (सुसाइड कमांडो) की जिम्मेदारी ली है. द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अलगाववादी समूह ने दावा किया है कि हमले में 30 से ज्यादा पाकिस्तानी कोस्ट गार्ड के जवान और दर्जनों घायल हो गए. रिपोर्ट के मुताबिक, यह खतरनाक ऑपरेशन शुक्रवार शाम को बीएलए की एलीट मजीद ब्रिगेड ने किया था. समूह ने बताया कि एक सुसाइड बॉम्बर, जिसकी पहचान अताउल्लाह बलूच उर्फ अजमल के तौर पर हुई है, ने स्थानीय समय के मुताबिक शाम करीब 6:32 बजे विस्फोटकों से लदे माजदा ट्रक को मजबूत कोस्ट गार्ड कैंप में घुसा दिया. इस दौरान एक बड़ा धमाका हुआ. एक आधिकारिक बयान में, बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि, इस जबरदस्त धमाके की वजह से, कोस्ट गार्ड्स का मजबूत कॉलोनियल कैंप पूरी तरह से मलबे के ढेर में बदल गया. बीएलए की मीडिया विंग, हक्कल ने 43 सेकंड का एक वीडियो क्लिप जारी किया, जिसमें कथित तौर पर एक खतरनाक धमाके से कुछ देर पहले विस्फोटकों से भरा ट्रक कैंप कंपाउंड में घुसता हुआ दिखाया गया है. चैनल द्वारा शेयर किए गए बाद के फुटेज से पता चला कि मिलिट्री कैंप का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह से जमींदोज (तबाह) हो गया था. ग्रुप ने कहा कि शुरुआती गाड़ी पर बमबारी के तुरंत बाद उसके टैक्टिकल विंग, फतेह स्क्वाड ने मिलकर जमीन पर हमला किया. बीएलए के बयान में कहा गया कि, हमले के तुरंत बाद, उनके संगठन की आगे की यूनिट, फतेह स्क्वाड, तेजी से और संगठित तरीके से आगे बढ़ी, और तबाह हुए कैंप पर चारों तरफ से हमला किया. बागियों ने दावा किया कि फतेह स्क्वाड के लड़ाकों ने बचे हुए कोस्ट गार्ड के लोगों से बहुत करीब से मुकाबला किया. उन्होंने कहा कि संयुक्त ऑपरेशन के दौरान 30 से ज्यादा लोग मारे गए. बीएलए प्रवक्ता

ने कहा कि, घायलों और मलबे में फंसे लोगों की गंभीर हालत को देखते हुए, दुश्मन के मारे जाने की संख्या में और बढ़ोतरी होने की बहुत ज्यादा संभावना है. बीएलए ने कहा कि वह जल्द ही अपने आधिकारिक चैनलों के जरिए ऑपरेशन की पूरी जानकारी जारी करेगा. बैन किए गए संगठन ने आगे कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को टारगेट करने वाला उसका हथियारबंद कैंपेन तब तक उसी तेजी से जारी रहेगा जब तक कि बलूचिस्तान की पूरी आजादी का उसका आखिरी मकसद हासिल नहीं हो जाता. पाकिस्तानी मिलिट्री और सरकारी अधिकारियों ने अभी तक जिवानी हमले में मृतकों और घायलों की सही संख्या या हुए नुकसान की हद को पुष्टि करने वाला कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

**मजीद ब्रिगेड का आत्मघाती धमाका :** जानकारी के मुताबिक, यह हमला ग्वादर के जिवानी इलाके के पनवान में स्थित पाकिस्तान कोस्ट गार्ड के कैंप पर हुआ। हमले की जिम्मेदारी बीएलए की सबसे खतरनाक विंग 'मजीद ब्रिगेड' ने ली है। रिपोर्ट के अनुसार, अताउल्लाह बलूच उर्फ अजमल नाम के एक आत्मघाती हमलावर ने शुक्रवार की शाम करीब 6:32 बजे विस्फोटकों से लदे एक भारी ट्रक को सीधे कोस्ट गार्ड के कैंप के भीतर घुसा दिया। धमाका इतना जबरदस्त था कि कैंप की मजबूत इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं और पूरा इलाका मलबे के ढेर में बदल गया। हैरानी की बात यह है कि बीएलए यहीं नहीं रुकी। आत्मघाती ट्रक बम धमाके के तुरंत बाद संगठन के 'फतेह स्क्वाड' ने जमीनी स्तर पर मोर्चा संभाल लिया।

# महाभारत का हुआ था जहां युद्ध उस कुरुक्षेत्र के रहस्य

**कुरुक्षेत्र युद्ध कौरवों और पाण्डवों के मध्य कुरु साम्राज्य के सिंहासन की प्राप्ति के लिए कुरुक्षेत्र में युद्ध लड़ा गया था। आओ जानते हैं कुरुक्षेत्र के 5 रहस्य। कुरुक्षेत्र भारतीय राज्य हरियाणा का एक क्षेत्र है।**

## छोटे भाई का वध

मान्यता अनुसार यह कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण को डर था कि भाई-भाइयों के, गुरु-शिष्यों के व संबंधी कुटुंबियों के इस युद्ध में एक दूसरे को मरते देखकर कहीं ये संधि न कर बैठें। इसलिए ऐसी भूमि युद्ध के लिए चुनने का फैसला लिया गया जहां क्रोध और द्वेष के संस्कार पर्याप्त मात्रा में हों। तब श्रीकृष्ण ने कई दूत अनेकों दिशाओं में भेजे और उन्हें वहां की घटनाओं का जायजा लेने को कहा। एक दूत ने सुनाया कि कुरुक्षेत्र में बड़े भाई ने छोटे भाई को खेत की मेंड़ टूटने पर बहते हुए वर्षा के पानी को रोकने के लिए कहा। उसने साफ इनकार कर दिया। इस पर बड़ा भाई आग बबूला हो गया। उसने छोटे भाई को छुरे से गोद डाला और उसकी लाश को पैर पकड़कर घसीटता हुआ उस मेंड़ के पास ले गया और जहां से पानी निकल रहा था वहां उस लाश को पानी रोकने के लिए लगा दिया। इस कहानी को सुनकर श्रीकृष्ण ने तय किया कि यही भूमि भाई-भाई के युद्ध के लिए उपयुक्त है। जब श्रीकृष्ण आश्वस्त हो गए कि इस भूमि के संस्कार यहां पर भाइयों के युद्ध में एक दूसरे के प्रति प्रेम उत्पन्न नहीं होने देंगे तब उन्होंने युद्ध कुरूक्षेत्र में करवाने की घोषणा की।

## कुरु का क्षेत्र

दूसरी कहानी अनुसार कहते हैं कि जब कुरु इस क्षेत्र की जुताई कर रहे थे तब इन्द्र ने उनसे जाकर इसका कारण पूछा। कुरु ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस स्थान पर मारा जाए, वह पुण्य लोक में जाए, ऐसी मेरी इच्छा है। इन्द्र उनकी बात को हंसी में उड़ाते हुए स्वर्गलोक चले गए। ऐसा अनेक बार हुआ। इन्द्र ने अन्य देवताओं को भी ये बात बताई। देवताओं ने इन्द्र से कहा कि यदि संभव हो तो कुरु को अपने पक्ष में कर लो। तब इन्द्र ने कुरु के पास जाकर कहा कि कोई भी पशु, पक्षी या मनुष्य निराहार रहकर या युद्ध करके इस स्थान पर मारा जायेगा तो वह स्वर्ग का भागी होगा। ये बात भीष्म, कृष्ण आदि सभी जानते थे, इसलिए महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र में लड़ा गया।

## श्रवण कुमार की कहानी

मातृ और पितृ भक्त श्रवण कुमार की कहानी तो आपने सुनी ही होगी। श्रवण कुमार जैसे पितृभक्त खोजना मुश्किल है। वे अपने अंधे माता-पिता की सेवा पूरी तत्परता से करते थे, उन्हें किसी प्रकार का कष्ट नहीं होने देते थे। एक बार माता-पिता ने तीर्थ यात्रा की इच्छा की और वे उन्हें कांवर में बिठाकर तीर्थ यात्रा को चल दिए। बहुत से तीर्थ करा लेने पर एक दिन अचानक उसके मन में यह भाव आया कि पिता-माता को पैदल क्यों न चलाया जाए? उन्होंने कांवर जमीन पर रख दी और उन्हें पैदल चलने को कहा। अंधे माता और पिता पैदल चलने तो लगे पर उन्होंने साथ ही यह भी कहा- बेटा इस भूमि को जितनी जल्दी हो सके पार कर लेना चाहिए। वे तेजी से चलने लगे जब वह भूमि निकल गई तो श्रवणकुमार को माता-पिता के साथ इस तरह का व्यवहार करने पर बड़ा पश्चाताप हुआ और उसने पैरों में गिरकर क्षमा मांगी तथा फिर से दोनों को कांवर में बिठा लिया। उनके अंधे पिता ने कहा- पुत्र इसमें तुम्हारा दोष नहीं। उस भूमि पर किसी समय मय नामक एक असुर रहता था उसने जन्मते ही अपने ही पिता-माता को मार डाला था, उसी के संस्कार उस भूमि में अभी तक बने हुए हैं इसीसे उस क्षेत्र में गुजरते हुए तुम्हें ऐसी बुद्धि उपजी।

## कुरुक्षेत्र का महत्व

महाभारत के वनपर्व के अनुसार, कुरुक्षेत्र में आकर सभी लोग पापमुक्त हो जाते हैं और जो ऐसा कहता है कि मैं कुरुक्षेत्र जाऊंगा और वहीं निवास करुंगा। यहां तक कि यहां की उड़ी हुई धूल के कण पापी को परम पद देते हैं। नारद पुराण में आया है कि ग्रहों, नक्षत्रों एवं तारागणों को कालगति से (आकाश से) नीचे गिर पड़ने का भय है, किन्तु वे, जो कुरुक्षेत्र में मरते हैं पुनः पृथ्वी पर नहीं गिरते, अर्थात वे पुनःजन्म नहीं लेते। भगवद्गीता के प्रथम श्लोक में कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र कहा गया है।

## कुरुक्षेत्र के क्षेत्र

यहां एक विशाल तालाब है जिसका निर्माण महाभारत काल में ही हुआ था। यहां एक ज्योतिसर नामक स्थान हैं जहां पर श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। यहां पर ब्रह्मसरोवर, सन्निहित सरोवर, भद्रकाली मन्दिर, पिहोवा और श्री स्थानेश्वर महादेव मन्दिर व पूण्डरी नामक स्थान प्रसिद्ध है।

## महाभारत में व्यूह रचना कितने प्रकार की थी?

महाभारत में आपने सिर्फ चक्रव्यूह का ही नाम सूना होगा। लेकिन महाभारत के युद्ध में कई प्रकार की व्यू रचना का उल्लेख मिलता है। युद्ध को लड़ने के लिए पक्ष या विपक्ष अपने हिसाब से व्यूह रचना करता था। व्यूह रचना का अर्थ है कि किस तरह सैनिकों को सामने खड़ा किया जाए। आसमान से देखने पर यह व्यूह रचना दिखाई देती है। जैसे क्रौंच व्यूह है, तो आसमान से देखने पर क्रौंच पक्षी की तरह सैनिक खड़े हुए दिखाई देंगे। इसी तरह चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। आओ जानते हैं कुछ खास व्यूह रचना के बारे में।

**गरुड़ व्यूह:** गरुड़ पक्षी का चित्र तो देखा ही होगा आपने। यह विशालकाय पक्षी भगवान विष्णु का वाहन है। युद्ध में सैनिकों को विपक्षी सेना के सामने इस तरह पंक्तिबद्ध खड़ा किया जाता है कि जिससे आसमान से देखने पर गरुढ़ पक्षी जैसी आकृति दिखाई दे। इसे ही गरुड़ व्यूह कहते हैं। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी।

**क्रौंच व्यूह:** क्रौंच सारस की एक प्रजाति है। इस व्यूह का आकार इसी पक्षी की तरह होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना युधिष्ठिर ने की थी।

**मकरव्यूह:** प्राचीन काल में मकर नाम का एक जलचर प्राणी होता है। मकर का सिर तो मगरमच्छ की तरह लेकिन उसके सिर पर बकरी के सींगों जैसे सींग होते थे, मृग और सांप जैसा शरीर, मछली या मोर जैसी पूंछ और पैंथर जैसे पैर दर्शाए भी होते थे। वैदिक साहित्य में अक्सर तिमिंगिला और मकर का साथ-साथ जिक्र होता है। लेकिन संभवतः यहां व्यूह रचना से तात्पर्य मगर से होगा मकर से नहीं। महाभारत में इस व्यूह की रचना कौरवों ने की थी। >

**कछुआ व्यूह:** इसमें सेना को कछुए की तरह जमाया जाता है।

**अर्धचंद्राकार व्यूह:** अर्ध चंद्र का अर्थ तो आप समझते ही हैं। सैन्य रचना जब अर्ध चंद्र की तरह होती थी तो उसे अर्धचंद्राकार व्यूह रचना कहते थे। इस व्यूह की रचना अर्जुन ने कौरवों के गरुड़ व्यूह के प्रत्युत्तर में की थी।

**मंडलाकार व्यूह:** मंडल का अर्थ गोलाकार या चक्राकार होता है। इस व्यूह का गठन परिपत्र रूप में होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी। इसके प्रत्युत्तर में पांडवों ने व्रज व्यूह की रचना कर इसे भेद दिया था।

**चक्रव्यूह:** चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। इस चक्रव्यूह को देखने पर इसमें अंदर जाने का रास्ता तो नजर आता है, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता नजर नहीं आता। आपने स्पाइरल देखा होगा बस उसी तरह का यह होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना गुरु द्रोण ने की थी।

**चक्रशकट व्यूह:** महाभारत युद्ध में अभिमन्यु की निर्मम हत्या के बाद अर्जुन ने शपथ ली थी कि जयद्रथ को कल सूर्यास्त के पूर्व मार दूंगा। तब गुरु द्रोणाचार्य ने जयद्रथ को बचाने के लिए इस व्यूह की रचना की थीं। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण की चतुराई से जयद्रथ उस व्यूह से निकलकर बाहर आ गया और मारा गया।

**वज्र व्यूह:** वज्र एक तरह का हथियार होता है। ये दो प्रकार का होता था- कुलिश और अशानि। इसके ऊपर के तीन भाग तिरछे-टेढ़े बने होते हैं। बीच का हिस्सा पतला होता है। पर यह बड़ा वजनदार होता है। इसका आकार देखने में इन्द्रदेव के वज्र जैसा होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना अर्जुन ने की थी।

**औरमी व्यूह:** पांडवों के व्रज व्यूह के प्रत्युत्तर में भीष्म ने औरमी व्यूह की रचना की थी। इस व्यूह में पूरी सेना समुद्र के समान सजाई जाती थी। जिस प्रकार समुद्र में लहरें दिखाई देती हैं, ठीक उसी आकार में कौरव सेना ने पांडवों पर आक्रमण किया था।

**श्रीन्गातका व्यूह:** कौरवों के औरमी व्यूह के प्रत्युत्त में अर्जुन ने श्रीन्गातका व्यूह की रचना की थी। ये व्यूह एक भवन के समान दिखाई देता था। संभवतः इसे ही तीन शिखरों वाला व्यूह कहते होंगे।.इसके अलावा सर्वतोभद्र और सुपर्ण व्यूह का उल्लेख भी मिलता है।

## महर्षि वाल्मीकि की रामायण और गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस के उत्तर कांड में फर्क क्यूं?

रामायण या रामचरित मानस के उत्तर कांड के संबंध में बहुत लोगों को इस बात का संशय है कि इसमें घटनाओं का वर्णन वैसा नहीं है जैसा कि शोधकर्ता मानते हैं। रामायण और रामचरित मानस दोनों ही का उत्तर कांड बहुत ही भिन्न है। ऐसा क्यों? यह शोध का विषय हो सकता है। रामानंद सागर द्वारा उत्तर कांड के नाम से उत्तर रामायण नाम का सीरियल बनाया गया है। आओ जानते हैं दोनों ही रामायण के काण्ड का फर्क।

### वाल्मीकि कृत रामायण का उत्तर कांड

उत्तरकाण्ड में राम के राज्याभिषेक के अनन्तर कौशिकादि महर्षियों का आगमन, महर्षियों के द्वारा राम को रावण के पितामह, पिता तथा रावण का जन्मादि वृत्तान्त सुनाना, सुमाली तथा माल्यवान के वृत्तान्त, रावण, कुम्भकर्ण, विभीषण आदि का जन्म-वर्णन, रावणादि सभी भाइयों को ब्रह्मा से वरदान-प्राप्ति, रावण-पराक्रम-वर्णन के प्रसंग में कुबेरादि देवताओं का घर्षण, रावण सम्बन्धित अनेक कथाएँ, सीता के पूर्वजन्म रूप वेदवती का वृत्तान्त, वेदवती का रावण को शाप, सहस्त्रबाहु अर्जुन के द्वारा नर्मदा अवरोध तथा रावण का बन्धन, रावण का बालि से युद्ध और बालि की कांख में रावण का बन्धन, सीता-परित्याग, सीता का वाल्मीकि आश्रम में निवास, निमि, नहुष, ययाति के चरित, शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर वध, शंबूक वध तथा ब्राह्मण पुत्र को जीवन प्राप्ति, भार्गव चरित, वृत्रासुर वध प्रसंग, किंपुरुषोत्पत्ति कथा, राम का अश्वमेध यज्ञ, वाल्मीकि के साथ राम के पुत्र लव कुश का रामायण गाते हुए अश्वमेध यज्ञ में प्रवेश, राम की आज्ञा से वाल्मीकि के साथ आयी सीता का राम से मिलन, सीता का रसातल में प्रवेश, भरत, लक्ष्मण तथा शत्रुघ्न के पुत्रों का पराक्रम वर्णन, दुर्वासा-राम संवाद, राम का सशरीर स्वर्गगमन, राम के भ्राताओं का स्वर्गगमन, तथा देवताओं का राम का पूजन विशेष आदि वर्णित है।

### तुलसीदास गोस्वामी कृत रामचरितमानस का उत्तर कांड

इसमें मंगलाचरण, भरत विरह तथा भरत-हनुमान मिलन, अयोध्या में आनंद, श्री रामजी का स्वागत, भरत मिलाप, सबका मिलनानन्द, राम राज्याभिषेक, वेदस्तुति, शिवस्तुति, वानरों की और निषाद की विदाई, रामराज्य का वर्णन, पुत्रोत्पति, अयोध्याजी की रमणीयता, सनकादिका आगमन और संवाद, हनुमानजी के द्वारा भरतजी का प्रश्न और श्री रामजी का उपदेश, श्री रामजी का प्रजा को उपदेश (श्री रामगीता), पुरवासियों की कृतज्ञता, श्री राम-वशिष्ठ संवाद, श्री रामजी का भाइयों सहित अमराई में जाना, नारदजी का आना और स्तुति करके ब्रह्मलोक को लौट जाना, शिव-पार्वती संवाद, गरुड़ मोह, गरुड़जी का काकभुशुण्डि से रामकथा और राम महिमा सुनना, काकभुशुण्डि का अपनी पूर्व जन्म कथा और कलि महिमा कहना, गुरुजी का अपमान एवं शिवजी के शाप की बात सुनना, रुद्राष्टक, गुरुजी का शिवजी से अपराध क्षमापन, शापानुग्रह और काकभुशुण्डि की आगे की कथा, काकभुशुण्डिजी का लोमशजी के पास जाना और शाप तथा अनुग्रह पाना, ज्ञान-भक्ति-निरुपण, ज्ञान-दीपक और भक्ति की महान महिमा, गरुड़जी के सात प्रश्न तथा काकभुशुण्डि के उत्तर, भजन महिमा, रामायण माहात्म्य, तुलसी विनय और फलस्तुति और रामायणजी की आरती का वर्णन मिलता है। वाल्मीकि कृत उत्तर कांड में राम के रावण वध की आगे की गाथा का वर्णन है, जिसमें राम का राज्याभिषेक, सीता परित्याग, वाल्मीकि आश्रम में लव और कुश का जन्म, बचपन और सीता का जीवन। शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर का वध और इसके अलावा पूर्व के ऋषि मुनियों और राजाओं की गाथा का वर्णन मिलेगा। दूसरी ओर गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस में शिव और पार्वती का रामकथा के संबंध में संवाद, काकभुशुण्डि और गरुढ़ संवाद सहित ज्ञान और उपदेश की बातें ही ज्यादा है। इसमें सीता परित्याग और लव एवं कुश के बारे में उल्लेख नहीं मिलता है। विद्वान लोग मानते हैं कि ऋषि वाल्मीकि राम के समकालीन थे और गोस्वामी तुलसीदास राम के भक्त थे। यदि प्रमाण की बात सामने आए तो वाल्मीकि रामायण को ही प्रमाण मानना चाहिए, क्योंकि वही सही रामायण है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस को लिखने के पूर्व वाल्मीकि कृत रामायण सहित दक्षिण भारत की रामायण को भी पढ़ा था। अतः उन्होंने सभी को पढ़कर लिखा जबकि वाल्मीकि ने राम के जीवन को देखकर रामायण को लिखा था।

## अश्वमेध यज्ञ क्या होता है, खास बातें

अश्वमेध यज्ञ को कुछ विद्वान एक राजनीतिक और कुछ विद्वान इसे आध्यात्मिक प्रयोग मानते हैं। कहा जाता है कि इसे वही सम्राट कर सकता था, जिसका अधिपत्य अन्य सभी नरेश मानते थे। कालांतर में यह यज्ञ जो नरेश जिस समाज से संबंध रखता था उस समाज की रीति के अनुसार करता था। इसके कारण इस यज्ञ को करने में कई बुरी परंपराएं भी जुड़ गई। वैदिक रीति से किया गया यज्ञ ही धर्मसम्मत माना गया है। यज्ञ का प्रारम्भ बसन्त अथवा ग्रीष्म में होता था तथा इसके पूर्व प्रारम्भिक अनुष्ठानों में प्रायः एक वर्ष का समय लगता था। इस बीच नगर में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्सव होते थे। यज्ञ करने के बाद अश्व को स्वतन्त्र विचरण करने के लिए छोड़ दिया जाता था। जिसके पीछे यज्ञकर्ता राजा की सेना होती थी। जब यह अश्व दिग्विजय यात्रा पर जाता था तो स्थानीय लोग इसके पुनरागमन की प्रतिक्षा करते थे। इस अश्व के चुराने या इसे रोकने वाले नरेश से युद्ध होता था। यदि यह अश्व खो जाता तो दूसरे अश्व से यह क्रिया पुनः आरम्भ की जाती थी। कहते हैं कि अश्वमेध यज्ञ ब्रह्म हत्या आदि पापक्षय, स्वर्ग प्राप्ति एवं मोक्ष प्राप्ति के लिए भी किया जाता था। कुछ विद्वान मानते हैं कि अश्वमेध यज्ञ एक आध्यात्मिक यज्ञ है जिसका संबंध गायत्री मंत्र से जुड़ा हुआ है। श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं कि 'अश्व' समाज में बड़े पैमाने पर बुराइयों का प्रतीक है और 'मेधा' सभी बुराइयों और अपनी जड़ों से दोष के उन्मूलन का संकेत है। जहां भी इन अश्वमेध यज्ञ का प्रदर्शन किया गया है, उन क्षेत्रों में अपराधों और आक्रामकता की दर में कमी का अनुभव किया है। अश्वमेध यज्ञ पारिस्थितिकी संतुलन के लिए और आध्यात्मिक वातावरण की शुद्धि के लिए गायत्री मंत्र से जुड़ा है। गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद अश्वमेध प्रायः बन्द ही हो गया।

## क्या कर्ण के वैवस्वत मनु यमराज और शनिदेव भाई थे?

हिन्दू पुराण और महाभारत में कई रहस्य छिपे हुए हैं। उन्हें जानना और समझने बहुत ही कठिन है। पुराणों के जानकार मानते हैं कि वैवस्वत मनु, यमराज और शनिदेव और महाभारत के कर्ण भाई भाई थे।

### वैवस्वत मनु और यमराज

विश्वकर्मा की पुत्री संज्ञा विवस्वान अर्थात सूर्य की पत्नी हुई। उसके गर्भ से सूर्य ने तीन संतानें उत्पन्न की। जिनमें एक कन्या और दो पुत्र थे। सबसे पहले प्रजापति श्राद्धदेव, जिन्हें वैवस्वत मनु कहते हैं, उत्पन्न हुए। तत्पश्चात यम और यमुना- ये जुड़वीं संतानें हुईं।

### शनिदेव

भगवान सूर्य की तूसरी पत्नी छाया थीं। छाया को संज्ञा की छाया ही माना जाता था। छाया से ही शनिदेव का जन्म हुआ था।

कर्ण : सूर्य पुत्र कर्ण को महाभारत का एक महत्वपूर्ण योद्धा माना जाता है। कर्ण के धर्मपिता तो पांडु थे, लेकिन पालक पिता अधिरथ और पालक माता राधा थी। राजा शूरसेन की पुत्री कुंती अपने महल में आए महात्माओं की सेवा करती थी। एक बार वहां ऋषि दुर्वासा भी पधारे। कुंती की सेवा से प्रसन्न होकर दुर्वासा ने कहा, 'पुत्री! मैं तुम्हारी सेवा से अत्यंत प्रसन्न हुआ हूं अतः तुझे एक ऐसा मंत्र देता हूं जिसके प्रयोग से तू जिस देवता का स्मरण करेगी वह तत्काल तेरे समक्ष प्रकट होकर तेरी मनोकामना पूर्ण करेगा।' इस तरह कुंती को वह मंत्र मिल गया। एक दिन कुंती के मन में आया कि क्यों न इस मंत्र की जांच कर ली जाए। कहीं यह यूं ही तो नहीं? तब उन्होंने एकांत में बैठकर उस मंत्र का जाप करते हुए सूर्यदेव का स्मरण किया। उसी क्षण सूर्यदेव प्रकट हो गए। कुंती हैरान-परेशान अब क्या करें?

सूर्यदेव ने कहा, 'देवी! मुझे बताओ कि तुम मुझसे किस वस्तु की अभिलाषा करती हो। मैं तुम्हारी अभिलाषा अवश्य पूर्ण करूंगा।' इस पर कुंती ने कहा, 'हे देव! मुझे आपसे किसी भी प्रकार की अभिलाषा नहीं है। मैंने मंत्र की सत्यता परखने के लिए जाप किया था।' कुंती के इन वचनों को सुनकर सूर्यदेव बोले, 'हे कुंती! मेरा आना व्यर्थ नहीं जा सकता। मैं तुम्हें एक अत्यंत पराक्रमी तथा दानशील पुत्र देता हूं।' इतना कहकर सूर्यदेव अंतरध्यान हो गए।

### कर्ण के अन्य भाई

कुंति पुत्र कर्ण एक महान योद्ध था जो कौरवों की ओर से लड़ा था। कुंती श्रीकृष्ण के पिता वसुदेव की बहन और भगवान कृष्ण की बुआ थीं। कुंति का पुत्र होने के कारण कर्ण भगवान श्री कृष्ण का भाई था। इसके अलावा पांचों पांडव भी कर्ण के भाई ही थे।

# विंबलडन में बदल रही है चैंपियनों की किस्मत! स्वियातेक बाहर, दिमित्रोव-कीज ने बचाई उम्मीदें

**लंदन, एजेंसी।** विंबलडन 2026 में लगातार ऐसे नतीजे सामने आ रहे हैं, जिन्होंने टेनिस प्रशंसकों को चौंका दिया है। महिला एकल में जहां मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक का सफर तीसरे दौर में ही खत्म हो गया, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों ग्रिगोर दिमित्रोव और मैडिसन कीज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे दौर में जगह बना ली। बड़े उलटफेर और रोमांचक मुकाबलों ने इस बार के विंबलडन को और दिलचस्प बना दिया है।

## एलेक्जेंड्रा एला ने रचा इतिहास, स्वियातेक को किया बाहर

21 वर्षीय फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को 7-6(9), 6-2 से हराया। पहले सेट के टाईब्रेक में दो सेट प्वाइंट बचाने के बाद एला ने पूरे मैच पर अपना नियंत्रण बना लिया। इस जीत के साथ वह ग्रैंड स्लैम के दूसरे सप्ताह में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी बन गईं। पिछले कुछ महीनों से शानदार फॉर्म में चल रही एला ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बड़े खिलाड़ियों को चुनौती देने का दम रखती हैं। अब उनका सामना 13वीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी से होगा।

## दिमित्रोव की दमदार वापसी, पांच सेट तक चला रोमांच

पुरुष एकल में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने इटली के माटेओ बेरेटिनी को 6-3, 6-4, 3-6, 5-7, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। तीन घंटे 32 मिनट तक चले मुकाबले में दिमित्रोव ने शुरुआती दो सेट आसानी से जीत लिए थे, लेकिन बेरेटिनी ने शानदार वापसी कर मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया।निर्णायक सेट में दिमित्रोव ने अनुभव का शानदार प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण समय पर सर्विस ब्रेक हासिल कर जीत दर्ज की। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पिछले साल की निराशा के बाद इस कोर्ट पर जीत हासिल करना मेरे लिए बेहद खास है। यह सिर्फ जीत या हार की बात नहीं है, बल्कि हर चुनौती को पार करने के बारे में है।' अब चौथे दौर में उनका सामना ब्रिटेन के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी से होगा।

## कीज ने दिखाई चैंपियन जैसी वापसी

महिला एकल में अमेरिका की 26वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने पहला सेट गंवाने के बावजूद अमांडा अनिसिमोवा को 3-6, 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। कीज की यह लगातार 10वीं ग्रास कोर्ट जीत रही और वह करियर में छठी बार विंबलडन के चौथे दौर में पहुंची हैं।अनिसिमोवा ने पहले सेट में शानदार शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे और तीसरे सेट में सात डबल फॉल्ट उनकी हार की बड़ी वजह बने। दूसरी ओर कीज ने अपने दमदार बेसलाइन शॉट्स और सटीक सर्विस के दम पर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा से होगा।

## खिताब की दौड़ हुई और रोमांचक

स्वियातेक और दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना के बाहर होने से महिला वर्ग पूरी तरह खुल गया है। वहीं दिमित्रोव और कीज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने यह संकेत दे दिया है कि इस बार विंबलडन में अनुभव और धैर्य भी खिताब की दौड़ में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। चौथे दौर के मुकाबलों के साथ टूर्नामेंट अब और रोमांचक होने की उम्मीद है।

# ईशान बोले- हमने परफेक्ट टीम चुनी थी

### दूसरे टी-20 मुकाबले में हार के बाद ईशान किशन ने टीम चयन पर उठ रहे सवालों का दिया जवाब

**लंदन(एजेंसी)।** मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में हार के बाद ईशान किशन ने टीम चयन पर उठ रहे सवालों का जवाब दिया। ऑफ स्पिनर की कमी को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने साफ कहा कि टीम प्रबंधन ने सर्वश्रेष्ठ संयोजन के साथ मैदान में उतरने का फैसला किया था।ईशान ने कहा, 'नहीं, मेरा मानना है कि हमने परफेक्ट टीम चुनी थी। जब आप मैच नहीं जीतते हैं तो बहुत सारे सवाल और अगर-मगर सामने आने लगते हैं। लेकिन हमारे सभी गेंदबाज बेहतरीन हैं। उन्होंने पहले भी अलग-अलग परिस्थितियों में टीम को जीत दिलाई है। सपाट विकेटों पर भी विकेट निकाले हैं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि टीम चयन के लिहाज से हम कुछ अलग कर सकते थे।'

### विदेशी परिस्थितियों को बेहतर समझना होगा

हालांकि ईशान ने माना कि भारतीय टीम को इंग्लैंड की परिस्थितियों के अनुसार खुद को बेहतर ढंग से ढालने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'हमें यह समझना होगा कि परिस्थितियां कैसी हैं और हम उनमें कैसे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। हम भारत के बाहर खेल रहे हैं, इसलिए बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों को यह समझना होगा कि यहां की पिच हमसे क्या मांगती है। सिर्फ एक बल्लेबाज या एक गेंदबाज अंतर नहीं ला सकता। पूरी टीम को मिलकर यह समझना होगा कि हम कहां सुधार कर सकते हैं।'

### हमें 20 रन और जोड़ने होंगे

ईशान किशन का मानना है कि भारत लगातार अपनी पारियों के आखिरी ओवरों में गति खो रहा है, जिससे टीम 15-20 रन पीछे रह जा रही है।उन्होंने कहा, 'हमें यह देखना होगा कि हम अतिरिक्त 20 रन कहां से बना सकते हैं।चाहे चौके-छक्कों से या बड़े मैदानों में गैप्स का बेहतर इस्तेमाल करके।इंग्लैंड के बल्लेबाज यहां की परिस्थितियों को हमसे बेहतर समझते हैं।

### इंग्लैंड ने बनाई सीरीज में बढ़त

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन (49), अभिषेक शर्मा (43) और कप्तान श्रेयस अय्यर (37) की पारियों की मदद से 190/7 का स्कोर बनाया।जवाब में इंग्लैंड ने जैकब बेथेल की नाबाद 76 रन की शानदार पारी के दम पर 19 ओवर में 191/6 बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया।भारत की हार में 17वां ओवर निर्णायक साबित हुआ, जिसमें रवि बिश्नोई ने 29 रन खर्च किए।

# सह-मेजबान कनाडा का सफर समाप्त

- लगातार दूसरी बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मोरक्को

**ह्यूस्टन।** फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 मुकाबले में मोरक्को ने सह-मेजबान कनाडा को 3-0 से हराकर लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। स्टार मिडफील्डर अज़्ज़ेदीन औनाही ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जबकि इंजरी टाइम में सुफियान रहीमी ने तीसरा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। अब मोरक्को का सामना 9 जुलाई को बोस्टन में होने वाले क्वार्टर फाइनल में फ्रांस और पराग्वे के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा।

### पहले हाफ में कनाडा का दबदबा, लेकिन गोल नहीं

मुकाबले की शुरुआत में कनाडा ने शानदार खेल दिखाया और लगातार आक्रमण करते हुए मोरक्को की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया। मैच का पहला बड़ा मौका कनाडा को मिला, जब अली अहमद के पास पर तानी ओलुवासेयी गोलकीपर के सामने पहुंच गए। हालांकि, मोरक्को के कनाडा में जन्मे गोलकीपर यासीन बूनू ने शानदार बचाव कर अपनी टीम को शुरुआती झटका लगने से बचा लिया। पहले हाफ में मोरक्को को उस समय बड़ा झटका लगा, जब टूर्नामेंट के उनके शीर्ष स्कोरर इस्माइल साइबारी मांसपेशियों में चोट के कारण 22वें मिनट में मैदान छोड़ने पर मजबूर हो गए। उनकी जगह सुफियान रहीमी को उतारा गया।

### दूसरे हाफ में औनाही का जलवा

ब्रेक के बाद मोरक्को ने पूरी तरह मैच का रुख बदल दिया। 50वें मिनट में अशरफ हाकिमी के शानदार सेट-पीस पास पर अज़्ज़ेदीन औनाही ने बॉक्स के बाहर से बेहतरीन पहली टाइमिंग वाला शॉट लगाकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया और मोरक्को को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस गोल के बाद मोरक्को का आत्मविश्वास बढ़ गया, जबकि कनाडा की टीम दबाव में आ गई। 82वें मिनट में तेज जवाबी हमले के दौरान ब्राहिम डियाज के पास पर औनाही ने अपना दूसरा गोल दागते हुए स्कोर 2-0 कर दिया।

### रहीमी ने जीत पर लगाई मुहर

इंजरी टाइम (90+8वें मिनट) में ब्राहिम डियाज के शानदार थ्रू पास पर सुफियान रहीमी ने गोल दागकर मोरक्को की 3-0 की शानदार जीत सुनिश्चित कर दी। रहीमी इससे पहले एक हेडर में क्रॉसबार से भी टकराए थे, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपना नाम स्कोरशीट में दर्ज करा ही लिया।

### मोरक्को ने रचा इतिहास

इस जीत के साथ मोरक्को लगातार दूसरी बार फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। इसके साथ ही वह विश्व कप इतिहास में एक से अधिक बार अंतिम-8 में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। कतर 2022 में सेमीफाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचने वाली एटलस लायंस की टीम ने एक बार फिर खिताब की दौड़ में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। वहीं, कनाडा का शानदार विश्व कप अभियान राउंड ऑफ-16 में समाप्त हो गया। हालांकि, इस टूर्नामेंट में टीम ने पहली बार विश्व कप में मैच जीतने के साथ नॉकआउट चरण तक पहुंचकर अपने देश के फुटबॉल इतिहास में नया अध्याय जरूर जोड़ा।

# खत्म हो गई मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के बीच दुश्मनी

**चेन्नई, एजेंसी।** एक समय भारतीय क्रिकेट के सबसे चर्चित विवाद का हिस्सा रहे मुरली विजय और दिनेश कार्तिक अब शायद पुराने मतभेदों को पीछे छोड़ चुके हैं। तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे मुरली विजय ने अपने संबोधन के दौरान दिनेश कार्तिक को लेकर ऐसी बातें कहीं, जिसने क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान कर दिया। वर्षों तक एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने वाले विजय ने सार्वजनिक मंच से कार्तिक की तारीफ करते हुए उन्हें अपना बेहद अजीज दोस्त बताया।

### मंच से दिनेश कार्तिक की जमकर तारीफ

अपने भाषण में मुरली विजय ने कहा कि वह बचपन से दिनेश कार्तिक को खेलते हुए देख रहे हैं और उनके खेल के हमेशा प्रशंसक रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अब मुझे दिनेश कार्तिक के बारे में बात करनी है। यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन मैं उन्हें बचपन से देखता आया हूं। वह तमिलनाडु के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। वह एक बेहद गतिशील व्यक्तित्व के मालिक और मेरे बेहद अजीज दोस्त हैं।'

विजय ने आगे कहा, 'मैंने नॉन-स्ट्राइकर एंड से कई बार उनकी बल्लेबाजी को करीब से देखा है। उनके जैसा खेलते हुए मैंने किसी और को नहीं देखा। वह शानदार क्रिकेटर हैं। उनके अनुभव और क्रिकेट की समझ ने मेरे करियर में काफी मदद की है और इसके लिए मैं मंच से उनका दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं।'

### क्या था दोनों के बीच विवाद?

मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के बीच का विवाद 2010 के शुरुआती वर्षों में सामने आया था। उस समय दोनों तमिलनाडु और भारतीय टीम के लिए साथ खेलते थे और बेहद करीबी दोस्त माने जाते थे। बाद में दिनेश कार्तिक और उनकी तत्कालीन पत्नी निकिता वंजारा का रिश्ता टूट गया। इसके बाद निकिता ने मुरली विजय से शादी कर ली। इस घटना के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच दूरियां बढ़ गईं। हालांकि, दोनों ने कभी भी सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी नहीं की।

### शानदार वापसी की

निजी जीवन में बड़े झटके के बावजूद दिनेश कार्तिक ने क्रिकेट में शानदार वापसी की। उन्होंने खुद को भारत के भरोसेमंद फिनिशर के रूप में स्थापित किया और कई यादगार पारियां खेलीं। बाद में उन्होंने भारतीय स्क्वैश स्टार दीपिका पल्लीकल से शादी की। हाल ही में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा हैं और क्रिकेट कमेंट्री व विश्लेषण में भी सक्रिय हैं। मुरली विजय के इस भावुक बयान को सोशल मीडिया पर काफी सराहा जा रहा है।

# संजू सैमसन के समर्थन में उतरे अंबाती रायुडू

**लंदन।** इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिला, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। इस फैसले के बाद भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने संजू के समर्थन में सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा किया। रायुडू ने कहा कि सूर्यवंशी का डेब्यू जश्न मनाने लायक है, लेकिन संजू सैमसन के हालिया योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

रायुडू ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'आइए संजू सैमसन के बारे में भी एक पल सोचें। वैभव को डेब्यू करते देखना बेहद खुशी की बात है और इसका जश्न मनाया जाना चाहिए, लेकिन यह मत भूलिए कि सिर्फ तीन टी20 मैच पहले संजू टी20 विश्व कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' थे। मुझे उम्मीद है कि वह दमदार वापसी करेंगे। साथ ही मैं वैभव सूर्यवंशी के लंबे और रिकॉर्ड तोड़ने वाले करियर की भी शुभकामनाएं देता हूं।'संजू सैमसन पहले टी20 मुकाबले में सिर्फ सात गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हो गए थे। इसके बाद टीम प्रबंधन ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करते हुए युवा वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया।

# प्रज्ञानंद ब्लिट्स में पिछड़े, अलीरेजा ने बढ़त बनाई

**जागरेब(एजेंसी)।** भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशिया चरण में रैपिड वर्ग वाला अपना शानदार फॉर्म दोहराने में नाकाम रहे और ब्लिट्ज वर्ग के शुरुआती नौ दौर में सिर्फ 3.5 अंक ही हासिल कर पाए। इस बीच फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने शानदार खेल दिखाते हुए एकल बढ़त बना ली है। प्रतियोगिता में अब सिर्फ एक दिन का खेल बाकी है।

### प्रज्ञानंद चौथे स्थान पर खिसके

अलीरेजा ने तेज खेल वाले प्रारूप में कमाल का खेल दिखाया और नौ में से आठ अंक हासिल किए। उन्होंने 20 अंक के साथ अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव पर तीन अंक की बड़ी बढ़त बना ली है। प्रज्ञानंद 15.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए, जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश का दिन भी औसत रहा और वे 14 अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। ग्रैंड चेस टूर के इतिहास में सबसे दमदार प्रदर्शन में से एक में अलीरेजा ने आधे खिलाड़ियों को कम से कम सात अंक पीछे छोड़ दिया है। जर्मनी के विन्सेंट कीमर 13 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं। नीदरलैंड के अनीश गिरी उनसे आधा अंक पीछे हैं, जबकि रोमानिया के डीक बोगदान डैनियल के 11.5 अंक हैं। नीदरलैंड के जोर्डन वैन फोरेस्ट उनसे दो अंक और पीछे हैं, जबकि क्रोएशिया के इवान सारिक सिर्फ पांच अंक के साथ सबसे नीचे हैं।

### ब्लिट्ज वर्ग में नौ दौर का खेल शेष

रैपिड वर्ग के बाद अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे प्रज्ञानंद ब्लिट्ज वर्ग में अपनी लय खो बैठे। दिन की शुरुआत कीमर पर जीत के साथ करने के बाद प्रज्ञानंद ने गिरी के साथ अगली बाजी ड्रॉ खेली लेकिन फिर लगातार चार हार ने उनके आत्मविश्वास को कम कर दिया। टूर्नामेंट के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ी ने आठ में से 3.5 अंक जुटाए। गुकेश के लिए भी स्थिति काफी अलग नहीं थी लेकिन उन्होंने प्रज्ञानंद से आधा अंक अधिक हासिल किया। सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन ने चार बाजी गंवाई। ब्लिट्ज वर्ग में अब भी नौ दौर खेले जाने बाकी हैं लेकिन शीर्ष स्थान शायद पहले ही तय हो चुका है। अगर प्रज्ञानंद इस टूर्नामेंट के आखिरी दिन लय वापस पा लेते हैं तो उनके पास अब भी पोडियम पर जगह बनाने का मौका होगा।

# फ्रांस-पराग्वे के खिलाड़ी भिड़े, हुई धक्का-मुक्की

फ्रांस और पराग्वे के बीच राउंड ऑफ-16 मुकाबले की आखिरी सीटी बजते ही मैदान पर माहौल गर्म हो गया।दोनों टीमों के खिलाड़ी आमने-सामने आ गए और कुछ देर तक धक्का-मुक्की भी देखने को मिली।मैच के दौरान ही फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे और पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल के बीच भी तनातनी हो गई।एमबाप्पे ने गिल से हाथ नहीं मिलाया, जिसके बाद नाराज गोलकीपर ने उनके जाते समय पीठ पर मैच बॉल फेंक दी। हालांकि, फ्रांसीसी स्टार ने पलटकर कोई जवाब नहीं दिया और अपनी टीम के साथ जीत का जश्न मनाते रहे।मैच में दोनों टीमों के बीच 70 मिनट तक कड़ी टक्कर देखने को मिली।मैच के दौरान कई ऐसे पल आए, जब दोनों टीमों के खिलाड़ी भिड़ने पर आ गए।पर एक वक्त एमबाप्पे की लड़ाई पराग्वे के डिएगो गोमेज से हो गई।इसके बाद पराग्वे के खिलाड़ी एमबाप्पे को धक्का देने लगे।इस पर फ्रांस के खिलाड़ी भी पहुंच गए और जमकर धक्का मुक्की हुई।रेफरी पहले तो बीचबचाव करते हुए एमबाप्पे को साइड ले जाते दिखे, फिर जब दोनों टीमों के खिलाड़ी आ गए तो रेफरी ने किनारा कर लिया।